(पौष माह) वर्ष-10, अंक 194, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुयये
प्रयागराज शनिवार 12 अक्टूबर, 2024
TM
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित
Adhunik Samachar

प्रसार निदेशालय शुआट्स द्वारा जनपद मिर्जापुर में चयनित पशुपालकों को सबमिशन ऑन पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रदेश निदेशालय शुआट्स द्वारा जनपद मिर्जापुर में चयनित पशुपालकों को सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा घटक का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज दिनांक 11.10.2024 को किया गया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद मिर्जापुर के चयनित पशुपालकों को पशुपालन बकरी पालन मुर्गी पालन शुगर पालन बतक पालन एवं डेयरी प्रबंधन से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में पशुपालकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक प्रसाद डॉक्टर ऐ के चौरसिया ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पशुपालकों को प्रशिक्षण में प्रदान की गई जानकारीयों को पशुपालन में प्रयोग करने हेतु आवाहन किया उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में पशुपालकों का अच्छा दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले चारे एवं दोनों की संपूर्ण जानकारी प्रदान दी गई पशुपालकों को चाहिए कि उन्हें अपने जानवर के वजन के आधार पर उनके चारे दाने की मात्रा शुनिश्चित करें जिससे उन्हें अच्छा दूध उत्पादन प्राप्त हो उन्होंने पशुपालकों से अपने पशुओं के मौसम के आधार पर टीकाकरण एवं सुरक्षात्मक खाद्य अपनाने की सलाह दी डॉक्टर चौरसिया ने बताया कि पशुपालन केवल गाय भैंस बतक तक सीमित नहीं है इसमें बकरी भेड़ मुर्गा मुर्गी बतक पालन एवं शुगर पालन को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशुपालकों को डेयरी प्रबंधक के संबंध वैज्ञानिक तरीके बताएं एवं दिखाएं गए डेरी भ्रमण की अधिक मे पशुपालकों को विश्वविद्यालय की डेरी में बनाए जा रहे टोन्ड मिल्क दही पनीर घी एवं मक्खन बनाने की प्रयोग जानकारी प्रदान की गई साथ ही उन्हें विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र पर वैज्ञानिक विधि से पाले जा रहे शुगर बतक मुर्गा मुर्गी एवं बकरी पालन फार्म का भ्रमण करते हुए उनकी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पशुपालकों को प्रमाण पत्र प्रशिक्षण साहित्य एवं बैग इत्यादि वितरण किया गया प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षण समन्वयक डॉक्टर मदन सेन सिंह ने प्रशिक्षण के सहभागिता करने वाले पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के सभी वैज्ञानिकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया समापन अवसर पर प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सरवेदर कुमार डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव डॉक्टर टी डी मिश्रा एवं डॉक्टर शीशीर कुमार आदि शामिल हुए।

मेदांता हॉस्पिटल में चौधरी सुघर सिंह के विद्यार्थियों को मिली नौकरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जसवंतनगर। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के भविष्य को गुणवत्ता व संस्कार पूर्ण शिक्षा देने के लिए संकल्पित चौधरी सुघर सिंह ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज के बच्चों ने संस्थान द्वारा दी गई गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के आधार पर देश के ख्यात प्राप्त मेदांता हॉस्पिटल गुड़गांव में नौकरी पाई। मेदांता हॉस्पिटल के तत्वाधान में चौधरी सुघर सिंह नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में केंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। गुड़गांव से आए मेदांता हॉस्पिटल के मेंबर ऑफ प्लेसमेंट कमेटी के मिस्टर लीजो थॉमस और राजेश गर्ग ने प्रशिक्षित विद्यार्थियों का साक्षात्कार ले 29 बच्चों का मेंदांता हॉस्पिटल की सेवाओं के लिए चयन कर नियुक्त पत्र दिए। अच्छे सालाना पैकेज और अन्य भत्ते से अनुबंधित नियुक्त पत्र पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल गए।प्लेसमेंट कमेटी के सदस्यों ने इटावा जिले के इस नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज के अध्यनरत विद्यार्थियों के संबंधित क्षेत्र में ज्ञान और अनुभव की तारीफ कर बहुत जल्द दुबारा ऐसा ही केंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम आयोजित करने का चौधरी सुघर सिंह ग्रुप से वादा किया। ग्रुप के एमडी अनुज मोंटी यादव ने चयनित सभी 29 विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ साथ रोजगार मिलना संस्थान के उद्देश्य को साकार कर रहा है। वर्तमान समय में बेरोजगारी युवाओं के लिए अभिशाप है। हमारा प्रयास होगा रोजगार देने वाली अन्य संस्थाओं से यहां के अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए ऐसे ही केंपस प्लेसमेंट का आयोजन कराके अधिक से अधिक विद्यार्थियों को रोजगार दिलवा सके।ग्रुप के चेयरमेन/ संरक्षक प्रोफेसर डॉक्टर बृजेश चंद्र यादव, डायरेक्टर संदीप पांडे और पैरामेडिकल निदेशक रीना मंडल ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि 29 बच्चों को नौकरी मिलना मतलब 29 परिवारों की देखभाल। मेदांता हॉस्पिटल द्वारा अंजली यादव,आरोही गौतम ,दीक्षा, हिमांशु यादव,ज्योति राजपूत,ज्योति यादव,काजल कुमारी,खुशी,अंजलि, निशा,पूजा कश्यप,राधा,शारदापाल, ललिता यादव,लवली यादव, मनीष, मंजेश,नैंसी,पंकज कुमार,प्रिया यादव रामानंददीप सिंह,शालू चौधरी,शीलू चौधरी,शिवानी,सोहनी द्विवेदी,सुबोध कुमार,विनय यादव दो अन्य को नियुक्त पत्र दिए गए।चौधरी सुघर सिंह ग्रुप की इस एक और नई उपलब्धि पर समस्त शिक्षक स्टाफ ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्र
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

नाजरेथ अस्पताल ने वर्ल्ड साइट डे पर ब्लाइंड वॉक निकाला, नेत्र दान करने के लिए दिलाया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। वर्ल्ड साइट डे दृष्टिहीन व्यक्तियों को लेकर मनाया जाता है तो वही संगम नगरी प्रयागराज में आज नाज़रेथ अस्पताल, से वर्ल्ड साइट डे के अवसर पर 'ब्लाइंड वॉक' का आयोजन कर एक अनूठी पहल की। वही मीडिया से बात करते हुए नाज़रेथ हॉस्पिटल के निदेशक फादर विपिन डिसूज़ा ने बताया इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों से परिचित कराना और नेत्रदान के महत्व पर जागरूकता फैलाना था।इस कार्यक्रम के दौरान समस्त प्रतिभागियों ने नेत्रदान करने का संकल्प किया। नाज़रेथ अस्पताल के इस प्रयास का उद्देश्य दृष्टिहीनता के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना था, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान कर दृष्टिहीन व्यक्तियों की जिंदगी को रोशन कर सकें। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'दृष्टिहीन बनकर चलें लोग, एक अनोखा अनुभव पाया था, जिसमें प्रतिभागियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर एक कतार में चलकर दृष्टिहीन होने का अनुभव किया। ये वाक नाज़रेथ अस्पताल से शुरू होकर सुभाष चौराहा पर समाप्त हुआ। प्रतिभागियों में अस्पताल के परिचारिकाएँ, डाक्टर्स, स्थानीय लोग और स्वयंसेवक शामिल थे, जिन्होंने नेत्रहीनों के जीवन की कठिनाइयों को महसूस किया और उनके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई नाजरेथ अस्पताल के निदेशक फादर विपिन डिसोजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

25वर्ष से नवरात्र में एक ही नारा,एक ही आह्वान,बेटियों खेलो-पढ़ो-सबल बनो-सरदार पतविंदर सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने बेटी बचाओ को अपने जीवन का लक्ष्य बना चुके सरदार पतविंदर सिंह अपने युवा सहयोगी के साथ पिछले कई दिनों से गांव-गांव कॉलोनी-कॉलोनी,वार्ड-वार्ड में बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ,बेटी खिलाओ का संदेश कन्याओं के पाव पूजन के साथ चला रहे हैं त् क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने जगह-जगह चौपाल लगाकर कहा कि किलकारी अपने आंगन में भी गुंजनी चाहिए कन्याओं की घटती संख्या गहरी चिंता का विषय है समाज अपने दृष्टिकोण को बदले और भ्रूण जांच जैसी अप्राकृतिक चीजों से बचेंत्सम्मान और महिला सशक्तिकरण मुद्दे को अपने सेवा कार्यक्रम में प्रमुखता से हर जगह कहते हैं कि अपना सुधार ही संसार ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है को ध्यान रखकर शुरुआत खुद से अपने आप से करें नारी सम्मान व नारी सुरक्षा हम सब की प्राथमिकता है बेटियां,बहुएं शिक्षा व युद्ध कौशल प्राप्त कर बहादुर बनेत् एजाजुद्दीन ने आगे कहा कि कन्याएं दो परिवारों को यशस्वी बना सकती है आत्मा कल्याण की दृष्टि में तो कन्या देवी साक्षात मूर्ति है उसके नाम के साथ देवी शब्द को जोड़ा जाता है कन्याएं ही देश का भविष्य है यह संस्कारवान और सद्गुणों के नए युग का अभ्युदय होगात् सामाजिक अभियान में हरमन जी सिंह,दलजीत कौर, गौरव शरण,एजाजुद्दीन,आदि क्रांतिकारी,देशभक्त साथी कदम से कदम मिलाकर साथ रहे हैं।

दुसान कंपनी में बकाया मजदूरों के वेतन मामले में तहसील पहुंचे श्रम प्रवर्तन अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा।उप जिलाधिकारी गुरुवार 10 अक्टूबर को तहसील ओबरा मे उप जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदत्त दुबे एडवोकेट उमेश चंद शुक्ला एवं टीएमसी के सुपरवाइजर कौशल तथा प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी एवं टीएमसी कंपनी के कर्मचारियों के समक्ष एक बैठक की गई जिसमें प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी मजदूरों के मजदूरों के हक के साथ बोलते हुए दिखाई दिए उन्हें ने कहा कि मजदूरों का जितना दिन का वेतन होगा उसको टीएमसी कंपनी को देना पड़ेगा एवं उप जिलाधिकारी महोदय द्वारा भी मजदूरों के हक के लिए बात कही गई उन्होंने टीएमसी के सुपरवाइजर को फटकार भी लगाया मजदूरों के वेतन की समस्या का निदान होना चाहिए वही टीएमसी के सुपरवाइजर द्वारा गोल मटोल बातें पाई गई उन्होंने तो हाजिरी कार्ड पर सिग्नेचर को भी मानने से इनकार कर दिया इस पर प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने उन पर काफी डांट फटकार लगाई और कहा कि क्या मजदूर अपने से हाजिरी कार्ड भरेगा टीएमसी के सुपरवाइजर कौशल द्वारा यह भी नहीं बताया गया की हाजिरी कार्ड कौन भरता है यह कंपनी मजदूरों के हक और और अन्याय करती हुई पाई गई उप जिलाधिकारी महोदय ने और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने अगले मंगलवार 15 अक्टूबर को बोर्ड के अधिकारी और दुसान के अधिकारी और टीएमसी के वर्कर ग्राम सेवा समिति के समक्ष सभी लोगों को बैठक वर्करों की वेतन संबंधी समस्या का समाधान किया जाएगा। उमेश चंद्र शुक्ला एडवोकेट का कहना था की अभी हमें श्रम विभाग अधिकारी द्वारा आश्वासन मिला है यदि मामले में कोई कार्रवाई उचित ढंग से नहीं हुई और मजदूरों के साथ अन्याय हुआ तो एक बड़े आंदोलन के लिए मजदूर तैयार रहेंगे। महेश अग्रहरी ने कहा की जब से दुसान कंपनी ने यहां पर काम लिया है तब से मजदूरों के साथ लगातार शोषण होता चला रहा है गरीब मजदूर दर-दर भटकने को मजबूर है उनके साथ हम सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।श्रम प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने कहा कि यदि टीएमसी कंपनी मजदूरों का भुगतान पूर्ण रूप से नहीं करती है तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदान दुबे, महेश अग्रहरी, उमेश शुक्ला एडवोकेट के साथ सैकड़ो मजदूर उपस्थित रहे।

सीडीओ ने नवरात्रि में बालिकाओं को कन्या पूजन कर दी पठन पाठन सामग्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अनंता (प्रेरक महिलाओं तथा बालिकाओं की पहचान व सम्मान) आश्रम पद्धति विघालय उरमौरा की बालिकाओं द्वारा कला प्रतियोगिता, राबर्टसगंज ब्लॉक की 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम, 30 बालिकाओं को कन्या पूजन का कार्यक्रम, 03 महिलाओं को समाज में अपनी पहचान बनाने वाली महिलाओं को सम्मानित करना एंव तिरंदाजी में राज्य एंव राष्ट्र स्तर पर चयनित 17 बालिकाओं को मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ,ब्लाक प्रमुख राबट्र्सगंज अजीत रावत,जिला पंचायत राज अधिकरी नमिता शरण,जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी,उप निदेशक महिला कल्याण,खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारीगणों द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त अवसर विकास खण्ड राबट्र्सगंज के समस्त कार्मिक एंव जिला प्रोबेशन कार्यालय की समस्त इकायों (जिला बाल संरक्षण इकाई,वन स्टाप सेन्टर,चाइल्ड हेल्प लाइन) से समस्त कार्मिक उपस्थित रहें।

अन्तर्गत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हुआ आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर थीम पर वृहद मानसिक स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता गोष्ठी का आयोजन स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय/जिला संयुक्त चिकित्सालय के प्रांगण में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अश्वनी कुमार कि अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अपर जिलाधिकारी, (वि0 एवं रा0) सहदेव मिश्रा द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय ने जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि गैर संचारी रोग एक बहुत बड़े संकट के रूप में हमारे बीच अपना पैर पसार रहा है। जिसमें मानसिक स्वास्थ्य एक बहुत बड़ी चुनौती है क्योंकि हमारे समाज में मानसिक रोगों के विषय में जागरूकता की कमी है जिसके कारण मानसिक रोगी समय से स्वास्थ्य केन्द्रों पर नहीं पहुंच पाते है। व्यक्ति को अपने जीवन शैली, रहन-सहन, खान-पान इत्यादि में संतुलन लाकर परिस्थितियों के अनुसार अपने आप को ढ़ालने की कला विकसित करनी होगी। हमें खुद को ही नहीं बल्की दुसरो को भी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से निकालने में मदद करनी चाहिए, जो लोग मानसिक समस्या से चुप-चाप जूझ रहे है उनकी सहायता करनी चाहिए तथा समाज में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पूर्वाग्रहों से बाहर निकालने में उनकी मदद करनी चाहिए। मनोचिकित्सक डा0 जितेश गुप्ता ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर पाचवां व्यक्ति मानसिक समस्या से जूझ रहा है तथा भारत का हर सातवां व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान है। हर 40 सेकेण्ड में एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण अपनी जान गवां देता है। व्यक्ति में लगातार या लम्बे समय तक तनाव आगे चलकर डिप्रेशन या अवसाद का रूप ले लेता है, जो आत्महत्या का प्रमुख कारण बनता है। साथ ही लम्बे समय तक तनाव, डायबटिज, हाइपरटेन्सन, हृदय रोग इत्यादि को भी बढ़ावा देता है। उन्होने कहा स्वस्थ मन स्वस्थ शरीर का दर्पण है इसलिए व्यक्ति को तनाव मुक्त रहना चाहिए जिसके लिए नियमित व्यायाम एवं योगा करना चाहिए तथा परिवार में एवं कार्यस्थल पर खुलकर बातें करनी चाहिए एक दुसरे के साथ मधुर व्यवहार स्थापित करें। मुख्य अतिथि ने कहा कि अत्यधिक चिन्ता या तनाव उत्पन्न करने वाले विचारों का मन में बार-बार आना व्यक्ति को मानसिक रोगों की तरफ ले जाता है। इसलिए मन में चल रही अर्न्तद्वंद्ध को बाहर निकाले अपने परिवार अपने दोस्तों के साथ साझा करें, हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहना सीखना होगा तथा सकारात्मक सोच रखते हुए मोबाइल एवं नशे से दूरी बनानी होगी। कीर्तीपाली नर्सिंग कालेज के बच्चों द्वारा नशे एवं मानसिक रोग के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक लघु रोल प्ले प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 बी0 सागर द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल डा0 जी0एस0 यादव, जनरल फिजिशियन डा0 गणेश प्रसाद, मनोचिकित्सक डा0 रिचा पाण्डेय, साइकाट्रिक सोशल वर्कर सौरभ सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहें। शिविर में लगभग 160 लोगों का स्क्रीनिंग कर उनका उपचार किया गया।

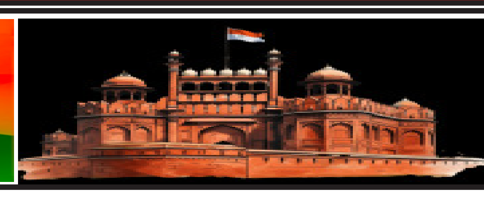

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश से पानी-पानी हुई मुंबई, कई इलाकों में जलभराव, यलो अलर्ट जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई । मुंबई में गुरुवार शाम को एक बार फिर अचानक मौसम बदल गया। अचानक हुई बारिश से जन जीवन प्रभावित हो गया। जगह-जगह जलभराव के चलते लोगों को दिक्कत का सामना करना

पड़ा। मुंबई में गुरुवार शाम को भारी बारिश हुई। तेज आंधी के साथ हुई बारिश से मुंबई कई इलाकों में पानी भर गया। सबसे ज्यादा दिक्कत ठाणे और पालघर के इलाकों में हुई। अचानक हुई बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। मुंबई में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई में गुरुवार शाम को एक बार फिर अचानक मौसम बदल गया। अचानक हुई बारिश से जन जीवन प्रभावित हो गया। जगह-जगह जलभराव के चलते लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते सेंट्रल लाइन पर चलने वाली मुंबई लोकल भी प्रभावित हुईं। वहीं क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो तीन घंटों तक बारिश की संभावना जताई है। इसमें नासिक और रायगढ़ जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले महीने महाराष्ट्र, गुजरात समेत देश के आठ राज्यों के कई हिस्से भारी बारिश से बेहाल रहे थे। गुजरात में कई जिलों में भारी से बेहद बारिश दर्ज की गई। वहीं, 110 किलोमीटर की रफ्तार से चली हवाओं के कारण 300 से ज्यादा पेड़ उखड़ गए और कई जगह बिजली के खंभे भी गिर गए। मुंबई में बारिश से जुड़ी घटनाओं के कारण छह लोगों की जान चली गई। महाराष्ट्र में मौसम इतना खराब रहा है कि पुणे में प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को ही रद करना पड़ा था।

1200 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी का मामला, चावल कंपनी के 2 निदेशक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने 1200 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी के मामले में चावल कंपनी के दो निदेशकों को गिरफ्तार किया है। पीएमएलए कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। एजेंसी का आरोप है कि मुख्य आरोपी देश से फरार हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,200 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दिल्ली स्थित एक चावल कंपनी के दो निदेशकों को गिरफ्तार किया है। अमीरा प्योर फूड्स प्रा.लि. (एपीएफपीएल) के प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्ति अपर्णा पुरी और राहुल सूद को 8 अक्तूबर को हिरासत में लिया गया था। केंद्रीय एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई कर रही एक विशेष अदालत ने उन्हें 11 अक्तूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने यह कार्रवाई 2020 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज एफआईआर पर की है।सीबीआई ने करण ए चनाना, राधिका चनाना, अनीता डिंग, अपर्णा

पुरी, राहुल सूद और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन, विश्वासघात करने और बैंकों के समूह से 1,201.85 करोड़ रुपये ऋण लेने और नुकसान पहुंचाने के आरोप में प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कानून के तहत मामला दर्ज किया था।ईडी के अनुसार मामले के मुख्य आरोपी करण, अनीता, राधिका और राजेश देश से फरार हैं। करण वैश्विक चावल ब्रांड अमीरा के प्रमुख हैं। इसका कारोबार अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, मॉरीशस और कुछ अन्य देशों में है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने मिलीभगत करके बैंक से लिए ऋण राशि को विभिन्न फर्जी संस्थाओं के खातों में स्थानांतरित किया।

भारत के 14 राज्यों में बाल विवाह बढ़ने की खबर; यूपी में पांच लाख बच्चों ने किया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बृहस्पतिवार को खुलासा किया है कि देश में 11.4 लाख से अधिक बच्चों पर बाल विवाह का

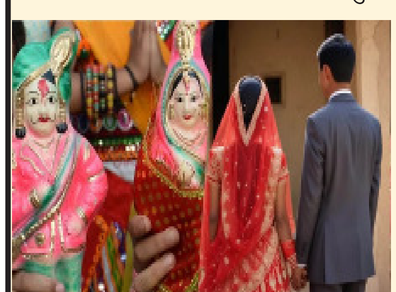

खतरा मंडरा रहा है। एनसीपीसीआर के मुताबिक, उसने 2023-24 में इन बच्चों की मदद के लिए परिवारों से बात करने, बच्चों को स्कूल लौटाने में मदद करने, और पुलिस के साथ मिलकर उनकी सुरक्षा करने जैसे कदम उठाए।एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में मुख्य सचिवों से इस मुद्दे को थमिकता देने और बाल विवाह उन्मूलन के लिए जिला-स्तरीय रणनीतियों को लागू करना जारी रखने की अपील की।एनसीपीसीआर बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत 1.2 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा। आयोग के मुताबिक, इसमें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में अच्छा काम किया। उत्तर प्रदेश में 500,000 से अधिक बच्चों ने बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया। इसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य रहे। कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में जागरूकता बढ़ाने के लिए धार्मिक नेताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ 40,000 से अधिक बैठकें कीं। 1993 में बाल विवाह की शिकार लड़कियों की संख्या 49 फीसदी थी। 28 साल के बाद यानी 2021 में यह 22 प्रतिशत हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर लड़कों का बाल विवाह भी काफी कम हुआ है। 2006 में सात फीसदी बालकों की शादियां हो रही थीं, जो 2021 में घटकर दो फीसदी रह गई है।

हिंदू एकता की गुहार क्यों लगा रही बीजेपी-आरएसएस, हिंदुओं पर खतरा या चुनावी जीत है निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भाजपा हमेशा से ही 'हिंदुत्व और राष्ट्रवाद' की राजनीति करती रही है। अपने जन्म से ही वह हिंदुओं की एकता का मुद्दा उठाती रही है। इसी राजनीति के बल पर

उसने 1984 में दो लोकसभा सीटों से 2019 में 303 सीटों तक का सफर तय किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व आजकल लगातार 'हिंदू एकता' की बात कर रहा है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले 'बंटेंगे, तो कटेंगे' का बयान दिया। इस पर विवाद भी हुआ, लेकिन इसके बाद भी भगवा खेमे ने लगातार इस आवाज को आगे बढ़ाया। योगी आदित्यनाथ के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिंदू समाज से एकजुट होने की अपील कर दी। भाजपा नेताओं की इस अपील का कारण क्या है? क्या सच में हिंदू समाज के सामने अस्तित्व का कोई संकट है? या यह कांग्रेस के जातिगत जनगणना दांव की काट है? भाजपा की यह कोशिश कितनी सफल हो पाएगी? यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है कि भाजपा हमेशा से ही 'हिंदुत्व और राष्ट्रवाद' की राजनीति करती रही है। अपने जन्म से ही वह हिंदुओं की एकता का मुद्दा उठाती रही है। इसी राजनीति के बल पर उसने 1984 में दो लोकसभा सीटों से 2019 में 303 सीटों तक का सफर तय किया। सहयोगी दलों के साथ वह केंद्र में लगातार तीन बार सरकार बनाने का कारनामा भी कर चुकी है। लेकिन इसके बाद भी भाजपा नेता खुले तौर पर कभी 'हिंदुओं एक हो जाओ', 'बटेंगे, तो कटेंगे' जैसे नारे नहीं लगाते थे। उनकी आंतरिक रणनीति चाहे जो भी रही हो, खुले तौर पर वे मुसलमानों को भी साथ लेकर आगे चलने की बात किया करते थे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में कभी सिकंदर बख्त जैसे नेता हुआ करते थे। मुख्तार अब्बास नकवी, शाहनवाज हुसैन, जफर इस्लाम और राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला जैसे नेता आज भी हर मंच से भाजपा की पुरजोर वकालत करते हैं। पार्टी की हैदराबाद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पसमांदा मुसलमानों के लिए आवाज उठाना पार्टी की इसी सोच का परिणाम था। पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा हर चुनाव में मुस्लिम बहुल इलाकों के बूथों पर अधिक वोट हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करता है। मोदी मित्र बनाकर पिछले लोकसभा में भी मुस्लिम बहुल सीटों पर मुसलमानों के वोट हासिल करने की रणनीति बनाई गई थी। इसका असर कितना हुआ, यह कहना मुश्किल है, लेकिन सीएसडीएस के आंकड़े बताते हैं कि कांग्रेस-इंडिया गठबंधन के पक्ष में मुसलमानों के एकजुट होने के बाद भी भाजपा को दो से चार प्रतिशत मुसलमान वोट मिलते हैं।

निगरानी वाले वन्यजीवों की आबादी पांच दशक में 73 फीसदी घटी, गिद्धों की प्रजातियों पर मंडरा रहा खतरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में भी तेज गिरावट का पता चला है। इनकी आबादी 1992 से 2022 के बीच तेजी से घटी है। इनमें सफेद

पूंछ वाले गिद्धों की आबादी में 67 फीसदी, भारतीय गिद्धों में 48 फीसदी और पतली चोंच वाले गिद्धों की आबादी में 89 फीसदी की गिरावट रही है। महज 50 साल में निगरानी वाले यानी जिन्हें संरक्षण की जरूरत है ऐसे वन्य जीवों की आबादी में 73 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक नई लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024 में यह खुलासा हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह इन वन्य जीवों के प्राकृतिक आवासों को नुकसान जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण है।रिपोर्ट कहती है कि इस दौरान भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में भी तेज गिरावट का पता चला है। इनकी आबादी 1992 से 2022 के बीच तेजी से घटी है। इनमें सफेद पूंछ वाले गिद्धों की आबादी में 67 फीसदी, भारतीय गिद्धों में 48 फीसदी और पतली चोंच वाले गिद्धों की आबादी में 89 फीसदी की गिरावट रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भारत के महासचिव और सीईओ रवि सिंह के मुताबिक, यह रिपोर्ट प्रकृति, जलवायु और मानव कल्याण के अंतर्संबंधों के बारे में बताती है। अगले पांच साल में हम जो विकल्प और काम करेंगे,वे धरती के भविष्य के लिए अहम होंगे।सबसे तेज गिरावट मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्रों (85 फीसदी) में दर्ज की गई है। इसके बाद स्थलीय पारिस्थितिक तंत्रों (69 फीसदी) और फिर समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों (56 फीसदी) का नंबर है। रिपोर्ट के मुताबिक,दुनिया भर में खासतौर पर खाद्य प्रणालियों से संचालित आवास की हानि और कमी वन्यजीव आबादी के लिए सबसे आम खतरा है। इसके बाद अतिशोषण, आक्रामक प्रजातियां और बीमारी हैं। भारत में कुछ वन्यजीव आबादी स्थिर हो गई है और इसमे सुधार दिखा है। यह काफी हद तक सक्रिय सरकारी पहल, प्रभावी आवास प्रबंधन, मजबूत वैज्ञानिक निगरानी और सामुदायिक जुड़ाव के साथ-साथ सार्वजनिक समर्थन की वजह से है। भारत दुनिया में बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर है। 2022 की गणना में कम से कम 3,682 बाघ दर्ज किए गए, जो 2018 में 2,967 बाघों की संख्या से बढ़ गई है। इसके अलावा, भारत में पहले हिम तेंदुओं जनसंख्या आकलन में लगभग 718 हिम तेंदुओं पाए गए। यह उनके रहने वाले 70 फीसदी क्षेत्र में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण का नुकसान और जलवायु परिवर्तन मिलकर स्थानीय और क्षेत्रीय पारिस्थितिक तंत्रों में महत्वपूर्ण परेशानियों तक पहुंचने की संभावना को बढ़ाते हैं।

किसानों की मासिक घरेलू आय 57.6% बढ़ी, पर पांच साल में एक तिहाई घट गई खेती की जमीन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सर्वे के अनुसार 2016-17 में किसानों की औसत मासिक घरेलू आय 8,059 रुपये थी जो 2021-22 में 57.6इ् बढ़कर 12,698 रुपये तक हो गई है। 2016-17 में ग्रामीण परिवार महीने

में 6,646 औसतन खर्च कर रहे थे यह अब बढ़कर 11,262 रुपए हो गए हैं। किसानों की मासिक घरेलू आय बढ़ रही है, लेकिन चिंताजनक यह है देश में किसानों के पास खेती की जमीन घट रही है। 2016-17 में जहां औसत खेती के लिए भूमि जोत 1.08 हेक्टेयर थी अब यह 2021-22 में घटकर 0.74 हेक्टेयर ही रह गई है। इसमें 31इ् यानी एक तिहाई की कमी आई है। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) के ताजा सर्वे अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (एनएएफआईएस) 2021-22 में यह जानकारी सामने आई है। सर्वे के अनुसार 2016-17 में किसानों की औसत मासिक घरेलू आय 8,059 रुपये थी जो 2021-22 में 57.6इ् बढ़कर 12,698 रुपये तक हो गई है। 2016-17 में ग्रामीण परिवार महीने में 6,646 औसतन खर्च कर रहे थे यह अब बढ़कर 11,262 रुपए हो गए हैं। सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण लेने वाले परिवारों की संख्या 47.4 प्रतिशत से बढ़कर 52 फीसदी हो गई है। इन पांच वर्षों में बकाया कर्ज वाले परिवारों का औसत बढ़ा है। इससे पता चलता है कि अब ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी आरामदेह जिंदगी के संसाधनों पर ज्यादा खर्च करने लगे हैं। ग्रामीण परिवारों ने वित्तीय बचत की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाया है। यह बचत 9,104 रुपये से बढ़कर 13,209 रुपये हो गई है। करीब 66 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने 2021-22 में बचत की। 2016-17 में यह संख्या 50.6 फीसदी थी। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का प्रभावशाली तरीके से विस्तार हुआ है। केसीसी की कवरेज 10.5 फीसदी से बढ़कर 44.1 फीसदी हो गई है। यानी इसमें 33.6 फीसदी की वृद्धि हुई है।

हैदराबाद से दिल्ली आ रहे विमान में खराबी, लौटाना पड़ा; कांग्रेस सांसद ने कहा बेहद डरावना अनुभव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण उसे हैदराबाद वापस लौटाना पड़ा। इस मामले में विमान में सवार कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह बेहद 'डरावना'

अनुभव था।हैदराबाद से दिल्ली आने वाले विस्तारा के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटाना पड़ा। इस मामले में सोशल मीडिया हैंडल- एक्स पर एक पोस्ट में, एयरलाइन ने कहा कि हैदराबाद से दिल्ली (प्क्ष्उ-उथ्) के लिए उड़ान भरने के बाद विमान संख्या- ळख्880 को हैदराबाद (प्क्ष्उ) डायवर्ट किया गया है। फ्लाइट अपने प्रस्थान के एक घंटे के भीतर ही हैदराबाद लौट आई। विमान संख्या यूके-880 हैदराबाद से गुरुवार शाम करीब 06.35 बजे रवाना हुई थी और वापस लौटने के बाद हैदराबाद एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार कांग्रेस सांसद ने इस घटना को बेहद डरावना अनुभव बताया।इसी साल मार्च में कांग्रेस में शामिल हुए सांसद दानिश अली ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सुरक्षित होने के लिए ईश्वर का आभार भी प्रकट किया। उन्होंने लिखा, अन्य यात्रियों के साथ 'आधे घंटे तक तनावपूर्ण महसूस करता रहा। विमान आसमान में चक्कर लगा रहा था। बकौल दानिश अली, 'उड़ान भरने के तुरंत बाद इंजन में आई खराबी के कारण हम आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाते रहे। आखिरकार पायलट ने हैदराबाद में आपातकालीन लैंडिंग कराई।'खबरों के मुताबिक सुरक्षा उपायों की जांच के बाद विस्तारा के विमान संख्या यूके 880 को देर रात हैदराबाद से रवाना किया गया। फ्लाइट लगभग 02.30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची।

सुरक्षा, नेटवर्क विस्तार और हाई स्पीड ट्रेनों पर फोकस करेगी संसदीय समिति, ये मुद्दे भी एजेंडे में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संसद की रेल समिति ने अपने कार्यकाल में रेलवे की सुरक्षा, उत्तर पूर्व और संघ शासित प्रदेशों में नेटवर्क का विस्तार और उच्च गति वाले रेल नेटवर्क पर फोकस करने का फैसला लिया है। भाजपा सांसद सी.एम.रमेश की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय समिति कई अन्य मुद्दों पर भी गौर करेगी, जिसमें रेल स्टेशनों पर सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार, मालभाड़े से जुड़ी आय में वृद्धि, माल गलियारों का विकास, यात्री आरक्षण प्रणाली और रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल हैं। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। रेलों की सुरक्षा हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। विपक्षी दलों ने हाल के हादसों को लेकर सरकार पर आरोप लगाए हैं कि वह यात्रियों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रही है। हालांकि, रेल मंत्रालय का कहना है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है। सरकार ने मुंबई और अहमदाबाद के बीच उच्च गति या बुलेट ट्रेन परियोजना शुरू की है जो एक महत्वकांक्षी योजना है। हालांकि, इस परियोजना को जमीन अधिग्रहण में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। समिति अन्य विषयों पर भी विचार करेगी, जैसे रेलवे की भूमि का सही उपयोग, मानव संसाधन प्रबंधन, पटरियों और सिग्नल प्रणाली में सुधार, उपनगरीय रेल सेवाओं की उर्जा दक्षता बढ़ाना, तटीय क्षेत्रों में रेल ढांचे और परियोजनाओं की समीक्षा करना और रेलवे को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचार को बढ़ावा देना।

सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं, विपक्ष ने भी स्वीकार की यह बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा नीत एनडीए की सरकार के 10 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप सामने नहीं आया है। शाह ने कहा कि इस बात को विपक्ष ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की मदद से देश को कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से निकाल आकर्षक स्थान में बदलने में मदद मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। सरकार ने नीतिगत निष्क्रियता को खत्म किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदल दिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर है।शाह नई दिल्ली स्थिति विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 119वें वार्षिक अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के उठाए गए कदमों के कारण भारत 2047 तक दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक होगा। 2014 में पीएम मोदी के कार्यभार संभालने के बाद से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसमें बुनियादी ढांचो का उन्नयन, बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विनिर्माण

उद्योगों की स्थापना शामिल हैं।उन्होंने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस दौरान हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को 200 गज गहराई में दफना दिया है। जब पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला था तो एक नीतिगत निष्क्रियता थी, जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक कार्रवाई के साथ खत्म कर दिया गया। पीएम मोदी ने इसकी जगह प्रदर्शन की नीति ला दी। उन्होंने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस दौरान हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को 200 गज गहराई में दफना दिया है। जब पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला था तो एक नीतिगत निष्क्रियता थी, जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक कार्रवाई के साथ खत्म कर दिया गया। पीएम मोदी ने इसकी जगह प्रदर्शन की नीति ला दी। शाह ने कहा कि दस साल में दुनिया का सबसे लंबा टनल हाईवे भारत में बना। दुनिया का सबसे ऊंचा ब्रिज भारत में है, कोलकाता की अंडर वॉटर मेट्रो है। ये सबकुछ दस साल के अंदर हुआ है। हमने सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट प्रणाली बनाई। दुनिया के कई देश इसे अपना रहे हैं। अनाज सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य सुरक्षा तक हमने सभी आयामों पर काम किया है। विजन, अनुभव और प्रतिबद्धता तीनों के साथ मिलने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री हो तो बहुत फायदा होता है। शाह ने कहा कि भारत को एक समय कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब आईएमएफ इसे उज्ज्वल जगह कहता है। अगस्त 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक की ओर से कमजोर पांच अवधारणा का उपयोग उभरते बाजार देशों का वर्णन करने के लिए किया गया था, जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गए। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्किये, भारत और दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दोहरे अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था, लेकिन अब यह दहाई अंक की विकास दर वाला देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में हाशिये पर पड़े वर्गों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिए गए हैं। 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है, 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने योग्य पानी दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार है, जबकि शेष 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त हैं और उनकी क्रय शक्ति नहीं है। हालांकि, मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराकर उनकी इन समस्याओं को खत्म कर दिया है और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है। शाह ने कहा, अगले 25 वर्षों में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक लीडर बन जाएगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती स्टार्टअप अर्थव्यवस्था बना है।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

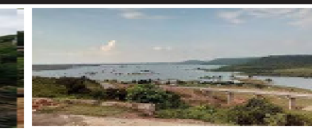

ड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के बिजौली गांव के समीप गुरुवार देर शाम दो बाइक सवार के टक्कर में एक 22 वर्षीय बाइक सवार युवक मृतक के 22 वर्षिय युवक का शव लेकर उसके गांव के मुख्य मार्ग पर रखकर हुए फरार। गांव के ही वरिष्ठ समाजसेवी शिव प्रसाद चौहान ने बताया कि घर से अपने

की हुई मौत, मृतक बाइक सवार को दूसरे बाइक स्वरों ने उसके गांव धोबही के मुख्य मार्ग पर छोड़कर हुए फरार। जानकारी के अनुसार घोबहि गांव निवासी राकेश कुमार चौहान पुत्र स्व देवानंद जो राउटरगंज से किसी काम पर के वापस घर जा रहा था इसी बीच बिचोली गांव के समीप सामने से आ रही बाइक स्वरों ने टक्कर मार दिया जिसमें मौके पर ही उसकी मौत हो गई वहीं सामने वाले बाइक स्वरों ने दुकान जा रहे थे तो सड़क पर खून से लटपट युवक को देखकर पुलिस व एंबुलेंस को फोन किया मौके पार्टी पुलिस ने शव को लेकर जिला अस्पताल पीएम के लिए रखवा दिया वहीं जांच में जुटी। हल्का नंबर चार चौकी प्रभारी सन्तोष कुमार सिंह मृतक के बड़े पिता तेज बड़ी चौहान के तारीख पर बाइक सवार आज्ञा के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में पुलिस जुट गई है।

बिजली गिरने से दो की मौत, तीन झुलसीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र गिर गई। इसकी चपेट में आने से फुलवा (48) पत्नी लालजी और

के बहुआर गांव में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। तीन अन्य महिलाएं झुलस गईं। उनका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।जिला मुख्यालय से सटे बहुआर गांव के बढ़ौना टोला में महिलाएं कच्चे मकान के अंदर घरेलू कामकाज में लगी थीं। इस दौरान तेज गरज-चमक के साथ बिजली महाराजी (40) पत्नी छोटेलाल झुलस गईं। गांव की तीन अन्य महिलाएं भी बिजली की चपेट में आईं। आनन-फानन सभी को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने फुलवा और महाराजी को मृत घोषित कर दिया। अन्य झुलसी महिलाओं को उपचार के बाद छुट्टी दे गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नवमी/विजयदशमी व जुमे की नमाज के दृष्टिगत पुलिस व पीएसी बल दंगा नियंत्रण के साथ संवेदनशील स्थानो पर किया गया फ्लैग मार्च

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, ।जनपद में जुमे की नमाज एवं नवरात्रि, दुर्गापूजा व दशहरा त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने व कानून एवं शांति व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने के शुक्रवार को कालू सिहं, अपर पुलिस अधीक्षक आमजन की समस्याओं के समाधान तथा सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल पूरी तरह तैयार है तथा किसी तरह की समस्या अथवा अफवाह की सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें । इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग

मुख्यालय सोनभद्र द्वारा पर्याप्त पुलिस व पीएसी बल(दंगा नियंत्रण उपकरण) के साथ थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के कस्बा में फ्लैग मार्ग किया गया । फ्लैग मार्च के दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों व कस्बा में भ्रमण कर आमजन व व्यापारियों से वार्ता कर उनसे शान्ति व्यवस्था, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी एवं की गयी तथा लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे शान्ति, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु अपील की गयी व सड़क पर अवैध अस्थाई अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई की गयी । इसी तरह चोपन सर्किल क्षेत्र में सिटी सिओ डॉक्टर चारू त्रिवेदी द्वारा ब्लैक मार्क पर यातायात रूट है वजन सहित दुर्गा महोत्सव भीड़ व चलन की कार्रवाई की गई।

जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने को टीम हुई गठित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले के अंतरराज्यीय सीमाओं से उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए गुरुवार को जिलाधिकारी बीएन सिंह ने चारों तहसीलों में कृषि, पुलिस व प्रशासनिक विभाग की संयुक्त टीम गठित किया। इस दौरान टीम को औचक छापेमारी किए जाने का निर्देश दिया गया। जिससे की जनपद से होने वाली उर्वरकों की कालाबाजारी पर रोक लग सके। वही जिला कृषि अधिकारी डॉ हरि कृष्ण मिश्रा ने कहा कि उर्वरकों के विक्री एवं परिसंचालन उप्लब्भता के साथ वितरण को लेकर जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करते हुए आदेश लेटर जारी हुआ जिसमें जिले के अंतरराज्जीय सीमाओं के निकटवर्ती जनपदों में उर्वरकों के अवैध परिसंचालन, उपलब्धता एवं वितरण की सघन निगरानी एवं प्रदेश को बाहर उर्वरकों के यातायात पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सीमा के चौकियों की तरफ से सतर्क दृष्टि रखने के साथ-साथ जोत बही के आधार पर उर्वरक वितरण आदि के संबंध में कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवही न बरती जाये।

नवरात्रि मेले विन्ध्याचल पर पुलिस की बेहतरीन व्यवस्था,हर जगह सेवा भाव से कार्य कर रही है पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर।मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन करने आने वाले भारी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता कैमरे से संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी की गई ।पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देशन में शारदीय नवरात्रि मेला विंध्याचल सकुशल

और सुरक्षा की व्यवस्था मिर्जापुर पुलिस द्वारा की गई ।पूरे नवरात्रि मेले को निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं सीसीटीवी कैमरा के अतिरिक्त ड्रोन एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से ही बीडीएस एवं एस चेक टीम द्वारा सतत रूप से मेला क्षेत्र में भ्रमण करती रही एवं अव्यवस्थित दुकानों को सही करने का कार्य किया गया ।श्रद्धालुओं को ठहरने की सही व्यवस्था को देखते हुए संदिग्ध वस्तुओं की चेकिंग जैसी आवश्यक कार्यवाही की गई ।पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के आने के बाद से ही मिर्जापुर में अपराधिक गतिविधियां बिल्कुल ना के बराबर हो गई है ।उनके द्वारा किए गए तमाम कार्य अत्यंत सराहनीय है ।पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर अभिनंदन की खास एवं पैनी नज़र पूरे नवरात्रि मेले पर रही उनके निर्देशन में शारदीय नवरात्र मेला विंध्याचल 2024 को सकुशल संपन्न कराने पर विशेष जोर दिखायी दिया ।माँ विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन करने आए वृद्ध दिव्यांग एवं असमर्थ दर्शनार्थियों एवं श्रद्धालु जन को ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों द्वारा सेवा भाव से सहयोग कराया जा रहा है।

पैसे के विवाद में हुई थी मैनेजर की हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शक्तिनगर। सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली में मंगलवार की रात स्पा सेंटर के मैनेजर की हत्या पैसे के लेनदेन में हुई थी। घटना का खुलासा करते हुए एसपी निवेदिता गुप्ता ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।एसपी ने बताया कि एएसपी शिव कुमार वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर पीएस परस्ते के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली अशोक सिंह परिहार व पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी को 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। बताया कि स्पा सेंटर विंध्यनगर रोड बैढ़न के मैनेजर सिकंदर रविदास की हत्या करने की सूचना पर पहुंची पुलिस को स्पा सेंटर की गैलरी में काफी खून मिला। सिकंदर रविदास मृत पड़ा था। उसके सिर में पीछे व सामने की तरफ कई जगह गंभीर चोट थी व खून निकल रहा था। कुछ दूरी पर एक लोहे का तवा पड़ा हुआ था, जिसमें खून लगा था। आरोपी शिवम मिश्रा हत्या कर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए तत्काल शहर के सभी थाना प्रभारियों को सूचित करते हुए टीमें रवाना की गईं। बरगवां के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पैसों के विवाद में सिकंदर रविदास की हत्या करने की बात उसने स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी शिवम मिश्रा को रिमांड पर लेकर विवेचना कर रही है।

जिले के छह से अधिक क्षेत्रों में 8 घंटे बत्ती गुल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा। तेज हवा के साथ बारिश

के दौरान बुधवार की शाम लगभग पांच बजे मां शारदा मंदिर के पास पिपरी से छपका रॉबर्ट्सगंज जा रही 132 वोल्ट की ट्रांसमिशन लाइन का अर्थ भार टूटकर गिर गया। इससे जिले के कई क्षेत्रों में आठ घंटे तक बिजली गुल रही। संयोग था कि पारेषण लाइन का तार नहीं टूटा, नहीं तो प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो सकती थी।इस अर्थ तार के टूटने से ओबरा, डाला, चोपन, कोन, कचनरवा, जवारीडाड़ सहित पूरे क्रशर क्षेत्र में आठ घंटे से अधिक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इस संबंध में छपका रॉबर्ट्सगंज ट्रांसमिशन लाइन के अधिशासी अभियंता शिवधनी ने बताया कि बुधवार की शाम ट्रांसमिशन लाइन का अर्थभार टूट गया था। कड़ी मेहनत कर रात दो बजे बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है। बताया कि ट्रांसमिशन लाइन का तार जर्जर है। जल्द इसे बदले जाने की संभावना है।बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र की खदानों में विस्फोट से ऊपर उड़ रहे पत्थरों की चपेट में आकर ट्रांसमिशन लाइन के तार प्रभावित हो रहे हैं। ट्रांसमिशन की कई लाइन के तार एवं खंभे खनन क्षेत्र में स्थित हैं। लोगों का कहना है कि बिल्ली मारकुंडी क्षेत्र की खदानों में से गुजर रही ट्रांसमिशन लाइन को बचाने के लिए खदानों में मानक के अनुसार विस्फोट कराने पर जिला प्रशासन को ध्यान देना होगा।

मेघनाथ ने मारी लक्ष्मण को शक्ति बाण, हनुमान जी चले संजीवनी लाने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । श्री रामलीला समिति; सोनभद्र नगर द्वारा आयोजित रामलीला के नवें आठवें दिन चारों फाटक की लड़ाई , लक्ष्मण शक्ति की लीला दिखाई गयी जिसमें नगर और ग्रामीण क्षेत्र के लीला प्रेमियों की काफी भीड़ उपस्थिति रही रामलीला में मेघनाथ द्वारा जब शक्ति मारी गई और प्रभु राम के विलाप को देखकर पूरा पंडाल में लीला प्रेमियों की आंखें नम हो गई जामवंत जी द्वारा पवन पुत्र हनुमान को उनकी शक्ति का एहसास करते हुए संजीवनी बूटी लेने के लिए भेजा गया उसे समय लीला प्रेमियों के अंदर प्रभु श्री राम और पवन पुत्र हनुमान की जयकारों से पंडाल गुजता रहा। रामलीला में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सोनभद्र विभाग के विभाग प्रचारक उपेंद्र, जिला प्रचारक राहुल, जिला संघचालक हर्ष अग्रवाल, नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह, पवन जैन, जितेंद्र सिंह, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, आनंद मिश्रा, प्रशांत जैन, धर्मराज जैन राम प्रसाद यादव, मनोज जालान, मनीष खंडेलवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

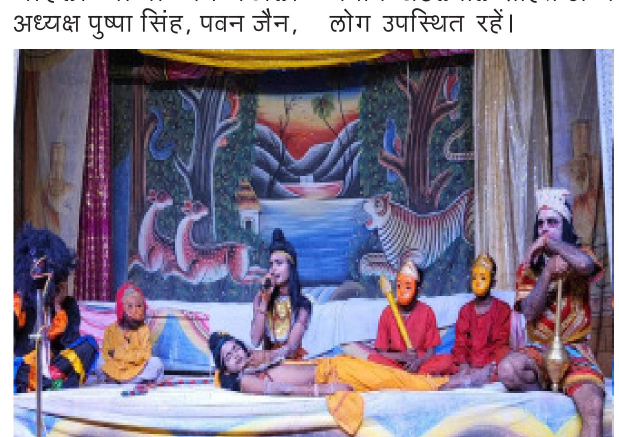

मिशन शक्ति अभियान फेज-05ठ के तहत थाना मुठ्ठीगंज क्षेत्रान्तर्गत आर्य कन्या इण्टर कालेज में बालिकाओं/छात्राओं को जागरूक किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अभियान मिशन शक्ति फेज-05 के तहत सहायक पुलिस आयुक्त अतरसुइया द्वारा थाना मुठ्ठीगंज पुलिस टीम के साथ थाना मुठ्ठीगंज क्षेत्रान्तर्गत आर्य कन्या इण्टर कालेज में महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्प डेस्क, एण्टी-रोमियो स्क्वाड, शक्ति दीदी अभियान व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स एवं कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन 30प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन राष्ट्रीय पोषण मिशन, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

घनी आबादी के बीच बन रहे थे पटाखे, चार क्विंटल माल बरामद बिना लाइसेंस के चल रहा था काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।सोनभद्र के अंबेडकर नगर मोहल्ले में अवैध पटाखा बनाए जाने की सूचना पाकर पुलिस ने छापा मार दिया। यहां भारी मात्रा में मानकों को दरकिनार कर उनका भंडारण किया जा रहा है। सीओ सिटी डॉ. चारु द्विवेदी को मुखबिर ने नगर के मध्य अवैध तरीके से भंडारण की सूचना दी।सीओ के तरीके से भंडारित किया गया था। पूरा माल जब्त कर जांच की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं कि बरामद माल

पटाखे बरामद हुए। इसके साथ ही कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया। नगर में घनी आबादी के बीच अवैध तरीके से भंडारित पटाखे की बड़ी खेप पुलिस ने बरामद की है। आगामी त्योहारों के लिए यह माल रखा गया था। मौके से करीब चार क्विंटल पटाखे मिले हैं। इसे जब्त कर पुलिस छानबीन में जुट गई है। कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। दशहरा और दीपावली पर पटाखे की खूब बिक्री होती है। इन त्योहारों के लिए लाइसेंसधारक अभी से पटाखे की खेप मंगाने लगे हैं। सुरक्षा निर्देशन में सदर कोतवाल सत्येंद्र राय फोर्स के साथ अंबेडरनगर मोहल्ले में पहुंचे। यहां एक मकान के अंदर पटाखे रखे गए थे। भंडारण का कोई लाइसेंस भी नहीं था। जिस जगह पटाखा रखा गया था, उसके चारों तरफ घनी आबादी थी। रास्ते ऐसे थे, जहां आपात स्थिति में पुलिस व फायर ब्रिगेड का वाहन पहुंचने में भी दिक्कत होती। पुलिस ने सारा माल जब्त कर लिया। इसे कोतवाली लाकर छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाल सत्येंद्र राय ने बताया कि मौके से करीब चार क्विंटल पटाखे मिले हैं। इसे अवैध किसका है। केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।जिले में पटाखा कारोबार के लिए कुल 16 लोगों को लाइसेंस जारी किए गए हैं। हर लाइसेंसी को यह हिदायत दी गई है कि वह पटाखों का भंडारण आबादी वाले क्षेत्र से दूर करें। वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हर वक्त मौजूद रहें। साथ ही आवागमन, पानी सहित अन्य सुविधाएं भी रखी जाएं। बावजूद इसके कई लाइसेंसी इसका उल्लंघन कर रहे हैं। हाल में प्रदेश के कुछ इलाकों में हुई घटनाओं के बाद भी सतर्कता नहीं बरती जा रही।

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए बनीं टीमें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रबी सीजन में खाद की कालाबाजारी रोकने तथा किसानों को खाद उपलब्ध कराने जाने को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से तहसीलवार टीमें गठित की गई हैं। डीएम बीएन सिंह के निर्देश पर टीमें गठित की गई हैं। टीम को संबंधित क्षेत्र में जांच कर खाद की कालाबाजारी रोकने, इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है।शासन की तरफ से अंतरराज्यीय सीमाओं के निकटवर्ती जनपदों में उर्वरकों के अवैध परिचालन, उपलब्धता एवं वितरण की सघन निगरानी एवं प्रदेश के बाहर उर्वरकों के यातायात पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में डीएम ने कृषि विभाग, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सचल दल के रूप में संयुक्त टीमों का गठन किया है। तहसील ओबरा तहसील में कृषि विभाग से भूमि संरक्षण अधिकारी राबर्ट्सगंज/उर्वरक निरीक्षक, पुलिस विभाग से सीओ ओबरा और प्रशासनिक विभाग से एसडीएम को टीम में शामिल किया गया है। इसी तरह रॉबर्ट्सगंज तहसील में क्रमशः अपर जिला कृषि अधिकारी, उर्वरक निरीक्षक, सीओ रॉबर्ट्सगंज और एसडीएम सदर, दुद्धी तहसील में भूमि संरक्षण अधिकारी चोपन, उर्वरक निरीक्षक, सीओ दुद्धी और एसडीएम दुद्धी को शामिल किया गया है। इसी प्रकार घोरावल तहसील में जिला कृषि अधिकारी/उर्वरक निरीक्षक, सीओ घोरावल और एसडीएम घोरावल की टीम गठित की गई है। गठित सचल दल के अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्र/तहसील में भ्रमण करते हुए यूरिया एवं डीएपी के अवैध परिचालन, कालाबाजारी एवं उचित वितरण के लिए निरीक्षण एवं छापे की कार्रवाई करेंगे। अनियमितता संज्ञान में आती है तो अविलंब कार्रवाई भी करेंगे।

जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर मे कन्या पूजन एवं हवन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, ।जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में स्थापित मां दुर्गा के मंदिर में कमेटी द्वारा कलश स्थापना करके नौ दिन मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा सेवा की गई। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार अष्टमी में सुबह माता रानी का भव्य श्रृंगार करने के बाद मुख्य यजमान अर्चना अनुपम तिवारी द्वारा कन्या पूजन एवं कन्या भोजन कराकर हवन करते हुए मां जगदम्बा से जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के सदस्यों भक्तों एवं नगर वासियों के सुख समृद्धि ऐश्वर्य और खुशहाली की प्रार्थना की गई। इस मौके पर कमेटी के संरक्षक सत्य प्रकाश दुबे मुख्य व्यवस्थापक विष्णु दूबे, राजबहादुर सिंह, राहुल, जानू, अमित पाण्डेय, शनि शुक्ला, कृष्ण कांत चौबे, शिम्पू, रिंकू, राज नारायण तिवारी, राजू चौबे, राजीव पाण्डेय, कन्हैया पाण्डेय सहित कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

जिम्बू-जिम्बू', क्या शाहीन ने लाइव मैच में बाबर का उड़ाया मजाक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। टीम फिलहाल मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के कगार पर खड़ी है। हर प्रारूप में टीम का पिछले एक साल में प्रदर्शन खराब रहा है। इसी वजह से बाबर आजम को कप्तानी से हटना भी पड़ा। बाबर का खुद भी प्रदर्शन हर प्रारूप में खराब रहा है। खासतौर पर टेस्ट में बाबर का बल्ला साल 2023 से खामोश है। इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान में जारी टेस्ट में बाबर पहली पारी में 30 रन और दूसरी पारी में पांच रन बना सके। बाबर ने पिछला टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में लगाया था। तब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 161 रन बनाए थे। मुल्तान में बैटिंग पिच पर बाबर का रन नहीं बना पाना एक बार फिर फैंस को पसंद नहीं आया। उन्हें अक्सर फैंस द्वारा जिम्बाब्वे जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए 'जिम्बाबर' या 'जिम्बू' जैसे नामों से चिढ़ाया जाता रहा है। अब एक और वीडियो वायरल हुआ है और सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि शाहीन अफरीदी बाबर का मजाक उड़ा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कई बार 'जिम्बू' शब्द का इस्तेमाल करते देखा गया। हालांकि, वीडियो में कोई ऑडियो नहीं है, लेकिन फैंस ने अनुमान लगाया कि शाहीन ने भी अपने साथी का मजाक उड़ाने के लिए 'जिम्बू' शब्द का इस्तेमाल किया था। अमर उजाला इस बात की पुष्टि नहीं करता कि शाहीन ने इस शब्द का इस्तेमाल किया या नहीं। हालांकि, बाबर और शाहीन के बीच अनबन की खबरें आती रही हैं।शाहीन को टी20 विश्व कप 2024 से पहले कप्तानी से हटा दिया गया था और बाबर फिर से कप्तान बने थे। तब से ही दोनों के बीच अनबन की खबरें आती रही हैं। सिर्फ शाहीन और बाबर नहीं, पाकिस्तान में कई खिलाड़ियों के बीच अनबन की खबरें हैं। ऐसा कहा जाता रहा है कि पाकिस्तान टीम में तीन गुट हैं। बाबर और शाहीन के अलावा तीसरा गुट मोहम्मद रिजवान का है। हालांकि, टेस्ट में शान मसूद को कप्तानी सौंपी गई। शाहीन को हटाने के बाद टी20 विश्व कप 2024 में कप्तानी करने वाले बाबर ने हाल ही में एक बार फिर पद से इस्तीफा दे दिया था। टीम अमेरिका जैसी कमजोर टीम से हारकर पहले ही दौर से बाहर हो गई थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक टी20 में बाबर के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है। इस बीच पाकिस्तान को मुल्तान टेस्ट हार का सामना करना पड़ सकता है। इंग्लैंड ने मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 का बड़ा स्कोर बनाया था। वहीं, इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 823 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इंग्लिश टीम के लिए हैरी ब्रूक ने 317 और जो रूट ने रिकॉर्ड 262 रन की पारी खेली। पहली पारी में पाकिस्तान पर 267 रन की बड़ी बढ़त के साथ इंग्लैंड ने पाकिस्तान की दूसरी पारी को तहस नहस कर दिया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 152 रन बना लिए हैं। पाकिस्तान को शुक्रवार को अंतिम दिन पारी की हार से बचने के लिए 115 रनों की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में एक टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं रोहित शर्मा, सामने आई बड़ी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में होने वाले मुकाबले से होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस बात की संभावना है कि रोहित पहले या एडिलेड में छह से 10 दिसंबर के बीच होने वाले दूसरे मैच से बाहर रह सकते हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो में से एक टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि रोहित निजी कारणों के चलते इस सीरीज का एक मुकाबला नहीं खेल पाएंगे और उन्होंने इस बारे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी अवगत करा दिया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में होने वाले मुकाबले से होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस बात की संभावना है कि रोहित पहले या एडिलेड में छह से 10 दिसंबर के बीच होने वाले दूसरे मैच से बाहर रह सकते हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले

से कहा, फिलहाल स्थिति के बारे में पूरी स्पष्टता नहीं है। यह समझा जाता है कि रोहित ने बीसीसीआई को बताया है कि इस बात की संभावना है कि वह निजी कारणों के चलते पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती दो में से किसी एक टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। अगर सीरीज शुरू होने से पहले वह कारण सुलझ गया तो रोहित सभी पांच टेस्ट मैच खेल सकते हैं। आने वाले दिनों में हमें इस बारे में और जानकारी मिलेगी। रोहित ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। भारत का सामना अब तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड से होगा जिसकी शुरुआत 16 अक्तूबर से होगी। अगर रोहित ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं तो उनकी जगह फॉर्म में चल रहे अभिमन्यु ईश्वरन को मौका दिया जा सकता है। हालांकि, शुभमन गिल और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी ओपनिंग जोड़ी के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। ईश्वरन उस दौरान ऑस्ट्रेलिया में ही होंगे क्योंकि वह इंडिया ए टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस बारे में चर्चा नहीं है कि टेस्ट टीम का उपकप्तान कौन होगा। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के दौरान भी आधिकारिक रूप से रोहित का कोई डेप्यूटी नहीं था। इस बारे में कानपुर टेस्ट से पहले अभिषेक नायर ने कहा था, मुझे लगता है कि हमें समझना होगा कि हमारे पास टीम में कई आईपीएल कप्तान मौजूद हैं। जब आप इस बारे में बात करते हैं तो आपको देखना होगा कि शुभमन गिल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायवाल जैसे खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अपनी फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ब्रूक-रूट की पारियों के बाद गेंदबाजों ने दिखाया दम, अपने ही घर में हार की कगार पर पहुंचा पाकिस्तान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हैरी ब्रूक और जो रूट की शानदार साझेदारी के बाद गस एटकिंसन और ब्राइडन कर्स की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन अपना जलवा बिखेरा। दिन के खेल की समाप्ति तक पाकिस्तान ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 152 रन बनाए हैं और वह अभी मेहमान टीम से 115 रन पीछे चल रही है। स्टंप के समय आघा सलमान 41 रन और आमिर जमाल 27 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड के लिए एटकिंसन और कर्स को अब तक दो-दो विकेट मिले हैं, जबकि क्रिस वोक्स और जैक लीच ने एक-एक विकेट झटके हैं। पाकिस्तान के पहली पारी में 556 रन के जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर घोषित की। इंग्लैंड ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का चौथा सर्वोच्च टोटल स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर इस तरह 267 रनों की बढ़त बनाई। पारी घोषित करने के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया और पाकिस्तान को शुरुआती झटके दिए। वोक्स ने सबसे पहले खाता खोले बिना अब्दुल्ला शफीक को पवेलियन भेजा। इसके बाद एटकिंसन ने कप्तान शान मसूद (11) को आउट किया। पिछले कुछ समय फॉर्म हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे पूर्व कप्तान बाबर आजम एक बार फिर विफल रहे और एटकिंसन ने जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराकर उन्हें आउट किया। बाबर ने पांच रन बनाए। बाबर के आउट होने के कुछ समय बाद कर्स ने सईम आयूब का विकेट लिया जो 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पाकिस्तान की टीम जब तक इन झटकों से उबर पाती तब तक ही उसे मोहम्मद रिजवान के रूप में पांचवां झटका लगा जिन्हें कर्स ने बोल्ड किया। रिजवान 19 गेंद खेल कर 10 रन ही बना सके। फिर लीच ने सऊद शकील को आउट कर पाकिस्तान की पारी पूरी तरह लड़खड़ा दी। शकील 29 रन बनाकर छठे बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। पाकिस्तान ने इस तरह 82 रन पर छह विकेट गंवा दिए। हालांकि, सलमान और जमाल ने इंग्लैंड को चौथे दिन और सफलता हासिल नहीं करने दी और पाकिस्तान का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान को अगर अपने घर में यह मुकाबला गंवाने से बचना है तो इन दोनों बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी निभानी होगी। इससे पहले, इंग्लैंड ने चौथे दिन पहली पारी में तीन विकेट पर 492 रन से आगे खेलना शुरू किया और रूट-ब्रूक की जोड़ी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। हैरी ब्रूक और जो रूट ने शानदार साझेदारी कर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति पर पहुंचाया। इंग्लैंड अगर पाकिस्तान के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा तो उसका सबसे बड़ा श्रेय ब्रूक और रूट की साझेदारी को जाता है। पाकिस्तान के बड़े स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने एक समय अपने तीन विकेट 249 रन पर गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद रूट और ब्रूक ने अपने पैर चट्टान की तरह क्रीज पर जमा लिए। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 454 रनों की साझेदारी की। यह टेस्ट में किसी भी विकेट के लिए की गई चौथी सबसे बड़ी और इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 317 रन बनाए और उनका साथ जो रूट ने बखूबी निभाया। रूट ने 262 रनों की पारी खेली। इस दौरान ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा। ब्रूक एक पारी में 300 से अधिक रन बनाने वाले छठे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए। 34 साल बाद ऐसा हुआ है जब इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने तिहरा शतक लगाया है। ब्रूक से पहले यह कारनामा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम बूच ने किया था। उन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 333 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए रूट और ब्रूक के अलावा बेन डकेट ने 84 रन, जैक क्रावले ने 78, जैमी स्मिथ ने 31 और एटकिंसन ने दो रनों का योगदान दिया। वहीं, वोक्स 17 और कार्स नौ रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। पाकिस्तान के लिए नसीम शाह और सईम अयूब ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी, आमिर जमाल और सलमान को एक-एक विकेट मिला।

नीतीश रेड्डी ने गौतम गंभीर को दिया अपने प्रदर्शन का श्रेय, बताया मुख्य कोच की कौन सी सलाह काम आई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नीतीश रेड्डी अपने दूसरे ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में प्लेयर ऑफ द मैच बने। शुरुआती झटकों के बाद नीतीश और रिंकू सिंह ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी हुई। भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में अपने ऑलरांड प्रदर्शन का श्रेय मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया है। नीतीश का कहना है कि गंभीर ने गेंदबाज के तौर पर उनका मनोबल बढ़ाया। नीतीश ने दिल्ली में खेले गए इस मैच में बल्ले और गेंद दोनों से उम्दा प्रदर्शन किया था। वह पहले ऐसे भारतीय क्रिकेटर बने जिन्होंने किसी टी20 मैच में 70 रन से अधिक का स्कोर करने के साथ ही दो विकेट भी झटके। नीतीश रेड्डी अपने दूसरे ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में प्लेयर ऑफ द मैच बने। शुरुआती झटकों के बाद नीतीश और रिंकू सिंह ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी हुई। नीतीश को तंजिम की गेंद पर पांचवें ओवर में लिटन ने जीवनदान दिया। उस वक्त नीतीश पांच रन पर थे। अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे नीतीश ने इस मौके का फायदा उठाया और करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। इन दोनों की साझेदारी के दम पर ही भारत ने बांग्लादेश को 222 रनों का लक्ष्य दिया था।

इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास का चौथा सर्वोच्च स्कोर बनाया, रूट-ब्रूक की पारी से लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे, लेकिन उसकी गेंदबाजी काफी खराब रही और रूट तथा ब्रूक ने शानदार पारी खेल इंग्लैंड को बढ़त दिला दी। पहले टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर 267 रनों की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर घोषित की। इंग्लैंड ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का चौथा सर्वोच्च बनाया। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 317 रन बनाए और उनका साथ जो रूट ने बखूबी निभाया। रूट ने 262 रनों की पारी खेली। रूट और ब्रूक की शानदार पारियों से इंग्लैंड ने टेस्ट में कीर्तिमान रचा और रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे, लेकिन उसकी गेंदबाजी काफी खराब रही और रूट तथा ब्रूक ने शानदार पारी खेल इंग्लैंड को बढ़त दिला दी। पहले टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर 267 रनों की बढ़त बना ली है। इस दौरान ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा। ब्रूक एक पारी में 300 से अधिक रन बनाने वाले छठे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए। इंग्लैंड अगर पाकिस्तान के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा तो उसका सबसे बड़ा श्रेय ब्रूक और रूट की साझेदारी को जाता है। पाकिस्तान के बड़े स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने एक समय अपने तीन विकेट 249 रन पर गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद रूट और ब्रूक ने अपने पैर चट्टान की तरह क्रीज पर जमा लिए। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 454 रनों की साझेदारी की। यह टेस्ट में किसी भी विकेट के लिए की गई चौथी सबसे बड़ी और इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। ब्रूक ने इसके साथ ही एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

रणजी ट्रॉफी के पहले चरण की शुक्रवार से होगी शुरुआत, इन खिलाड़ियों के लिए अहम होगा टूर्नामेंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज को देखते हुए रणजी ट्रॉफी का यह चरण उन खिलाड़ियों के लिए खास होगा जो भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाना चाहते हैं। लाल गेंद के प्रारूप का घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के 90वें संस्करण के पहले चरण की शुरुआत शुक्रवार से होगी। इस बार इस टूर्नामेंट को दो चरणों में कराया जाएगा। इस दौरान सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी और वनडे प्रारूप में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी का भी आयोजन होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने संभवतः यह फैसला मौसम तथा तेज गेंदबाजी की फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए लिया होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा, जबकि रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण विजय हजारे ट्रॉफी के समाप्त होने के बाद यानी अगले साल 23 जनवरी से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज को देखते हुए रणजी ट्रॉफी का यह चरण उन खिलाड़ियों के लिए खास होगा जो भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाना चाहते हैं। रणजी ट्रॉफी में देश के शीर्ष 17-18 खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे जो 16 अक्तूबर से सात जनवरी के बीच आठ टेस्ट मैच खेलेंगे। वहीं, अगले 18 खिलाड़ी एक ही दौर में खेल सकेंगे जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। इसके अलावा शेष 15 खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका में चार मैचों की टी20 सीरीज के कारण उपलब्ध नहीं होंगे। रणजी ट्रॉफी का यह सीजन ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों के लिए काफी अहम होगा जो घरेलू टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी करना चाहेंगे। ईशान, श्रेयस और अभिमन्यु ने हाल ही में संपन्न हुए ईरानी कप में हिस्सा था। इसके अलावा इन खिलाड़ियों ने दलीप ट्रॉफी में भी दम दिखाया था। ईशान ने इस साल फरवरी में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने के कारण केंद्रीय अनुबंध गंवा दिया था, लेकिन उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी पर अच्छा प्रदर्शन किया है। ईशान ने दलीप ट्रॉफी में शतक भी जड़ा था। अय्यर ने भारतीय टीम का हिस्सा बनने से पहले 2015-16 रणजी सत्र में 1321 रन बनाए थे। वनडे प्रारूप की घटती प्रासंगिकता के बीच अय्यर करियर के ऐसे दोराहे पर खड़े हैं जहां चयनकर्ताओं का ध्यान उन पर से हटते देर नहीं लगेगी। वहीं, ईशान ने झारखंड की कप्तानी स्वीकार करके चयनकर्ताओं को संकेत दे दिए हैं। ईश्वरन के अलावा ऋतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन भी अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहेंगे। यह तीनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रिजर्व ओपनर की दौड़ में शामिल हैं। भारतीय टेस्ट टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे भी अपना दम दिखाना चाहेंगे। रहाणे ने हाल ही में अपनी कप्तानी में मुंबई को ईरानी कप का खिताब 27 साल बाद दिलाया था। पुजारा और रहाणे बताना चाहेंगे कि उनमें अभी भी रन बनाने की भूख बाकी है। पुजारा और रहाणे ने पिछले दो ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत को मिली जीत में योगदान दिया था।

सम्पादकीय

एक शहर से उठती स्मृतियों की कहानियां

रतन टाटा के पूर्वजों ने देश में पहला स्टील मिल खोला था। इन्हीं लोगों ने बैंग्लोर में दि इंडियन इंस्ट्यूट ऑफ साइंस खोला। ये दीगर है कि वे स्टीलमिल खोलने वाले के सीधे वारिस न थे, मगर उन्होंने टाटा की विरासत को संभाला और उसे विस्तारित किया। वे टाटा उद्योग के चेयरपर्सन थे मगर उनके रहन-सहन में कभी

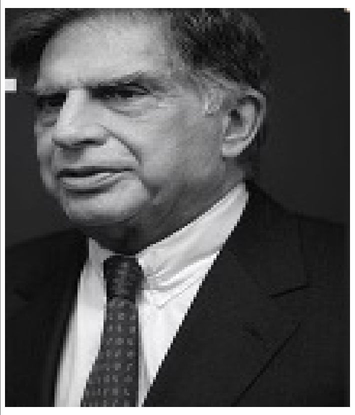

अमीरी-फिजूलखर्ची नजर नहीं आई। देवबंद के बुल्लेशाह की गलियों से निकल कर एक छोटी लड़की टाटा की सड़कों की सैर करती है और चकित होती है, 'बाप रे बाप, इतनी सड़कें! कैसे लोग रास्ता याद रखते होंगे? कैसे अपने घर वापस जाते होंगे, इत्ता बड़ा शहर मगर उस लड़की ने टाटानगर को अपना घर बना लिया और फ़िर कभी रास्ता नहीं भूली। वह अपने बाबा-दादी, नाना-मौसी सबको छोड़ कर इस अजनबी शहर में आई थी और इसके प्यार में पड़ गई। असल में यह लड़की जिस साल टाटानगर आई उसी 1961 में रतन टाटा ने टाटा स्टील में काम प्रारंभ किया था और 1991 में टाटा सन्स के चेयरपर्सन बने थे। लड़की अब उम्रदराज स्त्री बन चुकी है, टाटानगर उसकी पहचान है। उसे रतन टाटा से प्यार है, वह उनका हृदय से सम्मान करती है। तो हुआ न दोनों का इतना लंबा साथ! और कल रात जब बैंग्लोर से उसकी जर्नलिस्ट बेटी ने बताया, रतन टाटा नहीं रहे। वह काफ़ी देर कुछ न बोल सकी। शहर का सरपरस्त, शहर को नई दिशा-दशा में लेजाने वाला चला गया, वह क्या बोले! वह कभी उनसे नहीं मिली थी, बस उसने उन्हें एक बार दूर से देखा था। उतना ही काफ़ी था श्रद्धा उत्पन्न करने केलिए। न मालूम कितनों के लिए रतन टाटा 'लाइटहाउस' रहे हैं। तुलसीदास कह गए हैं जो राजा अपना कर्तव्य निभाता है उसके मरने का शोक नहीं करना चाहिए। मगर दुःख तो होता है। वे मेरे कोई नहीं थे, फ़िर भी अपने थे। उनके बारे में इतना सुना है, इतना पढ़ा है और आज न केवल टाटनगर शोक में डूबा हुआ है, पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है। टाटानगर में पहली बार पारसियों को देखा, बाद में कई पारसी क्लासमेट रहे, और बाद में कुछ पारसियों को पढ़ाया भी। रतन टाटा के पूर्वजों ने देश में पहला स्टील मिल खोला था। इन्हीं लोगों ने बैंग्लोर में दि इंडियन इंस्ट्यूट ऑफ साइंस खोला। ये दीगर है कि वे स्टीलमिल खोलने वाले के सीधे वारिस न थे, मगर उन्होंने टाटा की विरासत को संभाला और उसे विस्तारित किया। वे टाटा उद्योग के चेयरपर्सन थे मगर उनके रहन-सहन में कभी अमीरी-फिजूलखर्ची नजर नहीं आई। हां, दूसरों के लिए अपनी सम्पत्ति से उन्होंने जो किया वह देश कभी भूल नहीं सकता है। वे न केवल महान उद्योगपति थे, वरन महान मानवतावादी भी थे। बचपन से उन्हें सीख मिली थी धन का सम्मान करना है, उसका प्रदर्शन और बर्बादी नहीं। और बचपन भी कैसा! एकाकी! जब वे केवल 10 साल के थे, माँ सोनी छोड़ कर चली गई, और पिता नवाल टाटा ने दूसरी शादी कर ली। उनके बचपन में उनकी दादी उनका आश्रय थीं। शायद इन्हीं अनुभवों ने उन्हें शादी से विमुख रखा। अपने कुत्तों से बेहद लगाव रखने वाले वे सदा लाइमलाइट में रहे मगर हमेशा शर्मीले और अपनेआप में सिमटे हुए। उन्होंने स्वयं स्वीकारा है, 'मैं बहुत सामाजिक नहीं हूँ लेकिन एंटी-सोशल नहीं हूं।' 2008 में जब भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण की पदवी दी तो इस अवसर पर पूरा टाटानगर सम्मानित अनुभव कर रहा था। इसके पहले जब 2000 में उन्हें पद्म भूषण मिला थ तब भी शहर ने जश्न मनाया था। काभी समय से वे कमजोर नजर आने लगे थे, मगर चेहरे पर वही निश्छलता और मुस्कान कायम थी। कुछ दिन पहले भी उन्होंने कह अथा वे रुटीन चेकअप करवा रहे हैं, मात्र उम्र का तकाजा है। मगर 86 साल के रतन टाटा, इस देश के रतन ने अंतिम सांस ली तो पूरा देश, पूरा विश्व उद्योग शोक में डूब गया है। टाटा अपने नैतिक मूल्यों के लिए प्रसिद्ध हैं, और रतन टाटा न केवल व्यापार बल्कि निजी जीवन में भी नैतिकता के उदाहरण हैं। उनकी अगली यात्रा शांतिपूर्ण हो।

भारी पड़ सकता है काम का तनाव, बढ़ रहे हैं ऑक्यूपेशनल डेथ के मामले

भारत में हाल के दिनों में ऑफिस और फक्ट्रियों के कर्मचारियों पर काम के दबाव के कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि ज्यादातर युवाओं की मौतें वर्क लोड की वजह से हुई हैं, इसे डॉक्टर ऑक्यूपेशनल डेथ कहते हैं। ये मौतें काम करते-करते हुई हैं। इनको वर्क रिलेटेड

डेथ ट्रीट किया जाना चाहिए इनको मुआवजा मिलनी चाहिए। पिछले दिनों लखनऊ में एचडीएफसी बैंक में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी (45 वर्षीय सदफ फातिमा) की वर्क प्रेशर के चलते जान चली गई। इसके पहले पुणे में 'अर्न्स्ट एंड यंग' में काम करने वाली एक युवा सीए 26 साल की ऐना सेबेस्टियन पेरायिल की वर्क प्रेशर के चलते मौत हो गई थी। इन दोनों ही घटनाओं ने एक बार फिर से भारत में वर्किंग आवर और वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर बहस छेड़ दी है। सिर्फ 4 महीने की नौकरी में पुणे की ऐना सेबेस्टियन पर काम का इतना बोझ पड़ गया कि उसकी जान चली गई। वहीं, एचडीएफसी बैंक में काम करने वाली फातिमा कुर्सी पर बैठ-बैठे गिरी तो कभी नहीं उठी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में ऑक्यूपेशनल डेथ के आंकड़े आने वाले दिनों में और बढ़ेंगे। ऐना और फातिमा की मौत के बाद देश में वर्क प्रेशर को लेकर बहस और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक दलों के साथ-साथ बड़े-बड़े डॉक्टरों ने भी सरकार को चेताया है। डॉक्टरों की मानें तो भारत में ओवरवर्क का ट्रेंड बेहद कॉमन है। भारत में हाल के दिनों में ऑफिस और फक्ट्रियों के कर्मचारियों पर काम के दबाव के कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि ज्यादातर युवाओं की मौतें वर्क लोड की वजह से हुई हैं, इसे डॉक्टर ऑक्यूपेशनल डेथ कहते हैं। ये मौतें काम करते-करते हुई हैं। इनको वर्क रिलेटेड डेथ ट्रीट किया जाना चाहिए इनको मुआवजा मिलनी चाहिए। आने वाले दिनों में भारत विकसित देश बनेगा तो कंपनियां और फैक्ट्रियों में इस तरह की घटनाएं और बढ़ेंगी. इसलिए भारत सरकार को इसके लिए तुरंत ही कानून लाना चाहिए ।जापान में इस तरह की पहली मौत हुई थी , साल 1969 जापान में एक 29 साल का लड़का न्यूज पेपर के शिपिंग डिपार्टमेंट में काम करते-करते मर गया था। उस लड़के के मरने के बाद उसकी पत्नी ने कंपनी से मुआवजा मांगा। कंपनी ने मुआवजा नहीं दिया तो इसको लेकर एसोसिएशन बना। धीरे-धीरे कई और लोग भी सामने आए, इसके बाद यह मांग पश्चिम के देशों में भी उठने लगी। इसके बाद एक डेथ ड्यूटू ओवर वर्क एसोसिशन बना। बाद में डब्ल्यूएचओ ने भी माना कि लॉन्ग वर्किंग आवर्स की वजह से दुनिया में 60 लाख से ज्यादा लोग हर साल मरते हैं. यहां तक डेथ ड्यू टू ओवर वर्क में कोई शख्स सुसाइड करता है तो भी उसके परिवारवालों को अब जापान में मुआवजा मिलता है। भारत में वैसे तो वर्किंग आवर 8 से 9 घंटे का होता है। इस तरह लोग हर हफ्ते 45 से 48 घंटे काम करते हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में लोगों को वर्किंग आवर के बाद भी काम करना पड़ता है। इसकी वजह से ना सिर्फ उनकी शारीरिक स्थिति पर असर पड़ता है, बल्कि काम के दबाव के चलते मानसिक तौर पर भी कर्मचारी कमजोर हो जाता है। हालांकि, दुनिया के कुछ ऐसे भी मुल्क हैं, जहां वर्क लाइफ बैलेंस काफी ज्यादा अच्छा है। वहां लोग हफ्ते में 30 घंटे या उससे भी कम काम करते हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत महासागर में स्थित वनातू नाम के देश में सबसे कम घंटे तक लोग काम करते हैं। रिपोर्ट तैयार करने के लिए जितने भी देशों में सर्वे किया गया है, उसमें वनातू में सबसे कम वर्किंग ऑवर देखा गया है। यहां एक कर्मचारी हर हफ्ते सिर्फ 24.7 घंटे काम करता है। वनातू की सिर्फ 4 फीसदी आबादी ही हफ्ते में 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है। वनातू के बाद दूसरे नंबर पर प्रशांत महासागर में ही मौजूद एक और देश है, जिसका नाम किरिबाती है। यहां पर एक कर्मचारी हर हफ्ते औसतन 27.3 घंटे काम करता है। हैरानी की बात ये है कि भारत सबसे कम वर्किंग आवर वाले देशों में टॉप 20 में भी शामिल नहीं है। भारत की 51 फीसदी वर्कफोर्स हर हफ्ते 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है। इसकी वजह से भारत दुनिया में सबसे ज्यादा घंटों तक काम करने वाले मुल्कों में दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में प्रोफेशनल्स के लिए राइट टू डिसकनेक्ट की घोषणा की थी इसका साफ मतलब है कि ऑफिस के घंटे पूरे हो जाने के बाद प्रोफेशनल्स के लिए बॉस की कॉल रिसीव करना जरूरी नहीं माना जाएगा।वह चाहें तो उस कॉल को इग्नोर कर सकते हैं. ऐसा कई जगहों पर होता है। इससे पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच में लिमिट तय करना आसान हो जाता है। काम और निजी जीवन के बीच स्पष्ट सीमाएं निर्धारित करें. ऑफिस और पर्सनल लाइफ में अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित करें।घर और ऑफिस, दोनों जगहों पर टाइम मैनेजमेंट के लिए शेड्यूल बनाएं. फिजिकल और मेंटल हेल्थ और फिटनेस का ख्याल रखें। कंपनियों के जबरन ओवरटाइम के ऑर्डर से पेशेवर लोगों के वर्क-लाइफ बैलेंस पर गहरा असर पड़ रहा है। यही वजह है कि, कर्मचारी कार्यालय में अत्यधिक घंटे देने के बजाय अपने निजी जीवन को प्राथमिकता देना पसंद करते हैं। इन दिनों एक्स पर एक वायरल पोस्ट पर बहस छिड़ गई है। जिसमें, रोना वांग नामक यूज़र ने शेयर किया। वे लिखती हैं कि, 'माइक्रोसॉफ्ट में काम करने वाले अपने दोस्त से बात कर रही हूं और जाहिर तौर पर वह हफ़्ते में 15-20 घंटे काम करता है और बाकी समय लीग खेलता है और इसके लिए उसे 300व् डॉलर मिलते हैं।' हाल ही में, गूगल के सिंगापुर कार्यालय में एक कॉर्पोरेट कर्मचारी का वीडियो भी वायरल हुआ। सिंगापुर में काम करने वाली एक कोरियन यूज़र ने अपने फॉलोवर्स को गूगल के प्रभावशाली ऑफिस में काम करने के अपने जीवन के एक दिन के बारे में बताया।हर एंप्लॉई वर्क लाइफ बैलेंस कर पा रहा है या नहीं, इसकी जिम्मेदारी कंपनियों के हाथ में भी होनी चाहिए। इससे एंप्लॉइज अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दे पाएंगे। वर्कप्लेस पर सभी के लिए साइकोलॉजिकल सपोर्ट सेंटर उपलब्ध होने चाहिए. इससे लोग कोई भी परेशानी होने पर साइकोलॉजिस्ट से कंसल्ट कर सकते हैं। तनाव भरे माहौल में काम करने से प्रोडक्टिविटी और मेंटल हेल्थ, दोनों को नुकसान पहुंचता है, इसलिए एम्प्लॉइज और बॉस के बीच रेगुलर मीटिंग होनी चाहिए. इससे अपनी बात को खुलकर रख पाएंगे। कंपनी में नए एंप्लॉइज के लिए मेंटरशिप प्रोग्राम होना चाहिए. इसमें उन्हें सीखने और बढ़ने के लिए एक मंच भी दिया जा सकता है. उन्हें पता होना चाहिए कि परेशानी के समय किससे संपर्क करना है। भारत में जितनी भी कंपनियां हैं या फैक्ट्री हैं, सभी श्रम संसाधन मंत्रालय के अंदर आती है, खासकर आईटी और मीडिया कंपनियों में डबल वर्क करने पर ज्यादा मौतें हो रही हैं। ये कंपनियां घर में भी डबल वर्क लेती है, जबकि, लेबर मीनिस्ट्री की गाइडलाइंस है कि जिस कंपनी या फैक्ट्री मंस 500 कर्मचारी रहते हैं वहां पर ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर होने चाहिए. एक डॉक्टर, एक सेफ्टी ऑफिसर, एक ऑक्यूपेशनल हाईजिनिस्ट होना चाहिए। अगर किसी को हार्ट से संबंधित समस्या आती है तो ये तुरंत उसका इलाज करते हैं। इसके साथ फैक्ट्री में अलग-अलग इश्यू हैं, इनका काम होता है कि इन वर्कर्स में अवेयरनेस लाए.लेकिन, भारत में अभी तक ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर 5 प्रतिशत भी कंपनियों और फैक्ट्रियों में नहीं है. सच बात यह है कि भारत में डॉक्टरों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए ट्रेंड नहीं किया जाता ह। ऐना की असमय मौत से बहुत लोगों को धक्का लगा है और इसने अधिकांश कॉर्पोरेट और स्टार्ट-अप्स में बढ़ावा दिए जाने वाले 'हसल कल्चर' को लेकर तीखी बहस छेड़ दी है, जिसमें कर्मचारियों को उत्पादकता बढ़ाने के लिए अक्सर अपनी सेहत की क़ीमत पर भी काम करने पर ज़ोर दिया जाता है। पिछले साल देश की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सप्ताह में 70 घंटे काम करने का सुझाव देने को लेकर इन्फ़ोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति की काफ़ी आलोचना हुई थी। इस पर संसद में भी चर्चा हुई थी। ताजा बहस के बीच माइक्रोसॉफ्ट चर्चा में है ,जहां के कर्मचारी सप्ताह में मात्र 15-20 घंटे ही काम करतें हैं।आपके मानसिक स्वास्थ्य पर आपके काम का तनाव भरी पड़ सकता है। कई बार लोग काम की चिंता, कार्यस्थल के प्रदर्शन और नौकरी में मन न लगने के कारण मानसिक बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। दरअसल आप जिस जगह पर काम या नौकरी कर रहे हैं वहां पर तनाव के कई कारण हो सकते हैं लेकिन कभी-कभी यह स्थिति बहुत गंभीर हो जाती है और इसकी वजह से लोग मानसिक समस्याओं का शिकार भी बन जाते हैं। कुछ दिनों पहले हुए एक शोध के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोग अपने काम या नौकरी से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे काम की चिंता यानि वर्क एंग्जायटी से ग्रसित होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अगर आप काम को लेकर बाउंड्री बनाकर नहीं रखेंगे, तो इससे आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए अपनी पर्सनल लाइफ और वर्क लाइफ के बीच बाउंड्री बनाकर रखें। काम के वक्त आप पर्सनल-लाइफ से दूरी बनाए रखें और फैमिली टाइम के वक्त वर्क-लाइफ से दूरी बनाए रखें। हम सब भविष्य या करियर को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं। आप भी जानते हैं कि आजकल हर कोई अपनी नौकरी को लेकर असुरक्षित सा महसूस करता है। इससे कारण लोग मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहते हैं। हर कोई इस बात को लेकर परेशान रहता है कि उन नौकरी उनके पास हमेशा रहेगी भी या नहीं। सरकार कामकाजी वर्ग के लिए सेफ्टी नॉर्म्स और साइकोलॉजिकल इश्यू को लेकर संतोषजनक काम नहीं कर रही है।

जलवायु परिवर्तन और पक्षियों के प्रवास के बदलते स्वरूप

पक्षी इष्टतम प्रजनन स्थल और भोजन क्षेत्र खोजने के लिए प्रवास करते हैं। परंपरागत रूप से, ये यात्राएं इस तरह से की जाती हैं कि पक्षी प्रजनन स्थलों पर उस समय पहुंचते हैं जब भोजन के स्रोत-जैसे कीड़े और पौधे प्रचुर मात्रा में होते हैं। जलवायु परिवर्तन केवल

एक चर्चा का विषय नहीं है। यह एक ऐसी घटना है जो हमारी प्राकृतिक दुनिया में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। सबसे ध्यान देने योग्य प्रभावों में से एक पक्षियों के प्रवास के पैटर्न में बदलाव है। सदियों से कई पक्षी प्रजातियां पूर्वानुमानित मार्गों और समय का पालन करते रहे हैं, लेकिन वैश्विक तापमान बढ़ने के साथ ये पैटर्न तेजी से बदल रहे हैं। पक्षी इष्टतम प्रजनन स्थल और भोजन क्षेत्र खोजने के लिए प्रवास करते हैं। परंपरागत रूप से, ये यात्राएं इस तरह से की जाती हैं कि पक्षी प्रजनन स्थलों पर उस समय पहुंचते हैं जब भोजन के स्रोत- जैसे कीड़े और पौधे, प्रचुर मात्रा में होते हैं। हालांकि, बढ़ते तापमान के कारण ये संसाधन अब साल के शुरू में ही उपलब्ध हो रहे हैं।गर्मी के कारण पौधे जल्दी खिलते हैं और कीट निकलते हैं, जिससे पक्षियों को अपने प्रवास के कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ रहा है। नतीजतन, कई प्रजातियां अब अपने प्रजनन स्थलों पर पहले पहुंच रही हैं। हालांकि, सभी प्रजातियां इन बदलती परिस्थितियों में इतनी जल्दी समायोजित नहीं हो पाती हैं।उदाहरण के लिए, हिमालय के पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक सुंदर तीतर, हिमालयन मोनाल, पौधों की वृद्धि और कीटों के निकलने के समय में बदलाव का सामना कर रहा है। इस बेमेल के परिणाम स्वरूप मोनाल भोजन के स्रोतों की तलाश में आते हैं जो या तो समाप्त हो चुके होते हैं या प्रचुर मात्रा में नहीं होते, जिससे उनके प्रजनन और अपने बच्चों को सफलतापूर्वक पालने की क्षमता प्रभावित होती है।इसी तरह, चताका (पाइड कोयल) ने हाल के वर्षों में अपने आगमन के समय में बदलाव दिखाया है। परंपरागत रूप से यह पक्षी मानसून के आगमन के साथ आता था, लेकिन अब बारिश के पैटर्न और तापमान के बदलाव ने इसके आगमन को अनिश्चित बना दिया है। ब्लैक-टेल्ड गॉडविट- एक लंबी दूरी का प्रवासी समुद्री पक्षी, जो साइबेरिया में प्रजनन करता है और भारत तथा ऑस्ट्रेलिया में सर्दियां बिताता है, भी जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहा है। समुद्र के स्तर में वृद्धि और ज्वार के पैटर्न में बदलाव भारतीय तटरेखा पर उनके भोजन के मैदानों की उपलब्धता को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे उन्हें अपने प्रवास मार्गों में बदलाव करना पड़ रहा है। इंडियन स्कीमर (कैंची चोंच) एक लुप्तप्राय पक्षी जो नदी-द्वीपों पर प्रजनन करता है, इन परिवर्तनों को और स्पष्ट करता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आर्द्रभूमि का नुकसान जलीय पक्षियों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। स्कीमर के लिए बारिश में बदलाव और सिंचाई परियोजनाओं के कारण नदी के प्रवाह के पैटर्न में बदलाव उनके प्रजनन स्थलों को नष्ट कर रहा है, जिससे वे विलुप्ति के करीब पहुंच रहे हैं। ये उदाहरण जलवायु परिवर्तन के दूरगामी प्रभावों और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के नाजुक संतुलन को बाधित करने की इसकी क्षमता को उजागर करते हैं। पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र में परागणकर्ता, बीज फैलाने वाले और कीटों के शिकारी होते हैं। उनके प्रवास पैटर्न में बदलाव से खाद्य जाल पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है, जिसका असर अन्य जीवों और कृषि पर भी पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि पक्षी कीटों को खाने के लिए बहुत जल्दी या बहुत देर से आते हैं, तो फसलों को कीटों से अधिक नुकसान हो सकता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। संरक्षण पहलों को महत्वपूर्ण आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापना पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, विशेष रूप से तटीय और आर्द्रभूमि क्षेत्रों में। अनुसंधान प्रवास पैटर्न में परिवर्तनों की निगरानी और भविष्यवाणी के लिए आवश्यक है। नागरिक विज्ञान परियोजनाएं, जहां लोग पक्षियों के डेटा एकत्र करते हैं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती हैं। प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के महत्व के बारे में बच्चों और वयस्कों को शिक्षित करने से सामूहिक प्रयास को बढ़ावा मिलेगा तथा संरक्षण के प्रति राजनीतिक इच्छाशक्ति में भी वृद्धि होगी।

नए विवाद में फंसे तेजस्वी, क्या है इसका 'अखिलेश कनेक्शन

तेजस्वी के उप-मुख्यमंत्री का बंगला खाली करते ही भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया कि एसी, सोफा, कुर्सी, पर्दे, लाइटें आदि अनेक सामान गायब हैं। आरोपों पर भड़के तेजस्वी यादव ने आरोप लगाने वालों को कानूनी नोटिस देने की धमकी दी है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भड़कना जायज है। उनपर उप-मुख्यमंत्री के सरकारी बंगले में लगे सामान अपने घर ले जाने के आरोप लगे हैं। उप मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटने के करीब आठ माह बाद तेजस्वी यादव ने उप-मुख्यमंत्री का सरकारी आवास खाली किया है। बंगला खाली होते ही भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया कि एसी, सोफा, कुर्सी, पर्दे, लाइटें आदि अनेक सामान गायब हैं। आरोपों पर भड़के तेजस्वी यादव ने आरोप लगानेवालों को कानूनी नोटिस देने की धमकी दी है।तेजस्वी पर पहली बार ऐसे आरोप नहीं लगे हैं। इसके पहले भी कई वर्ष पूर्व जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटी मारने के बाद वे सत्ता से बाहर हुए तो बंगला खाली करना पड़ा था। तब स्व. सुशील मोदी उप मुख्यमंत्री के रूप में उस बंगले में आए थे। तब मोदी ने भी पत्रकारों को बंगला दिखाते हुए आरोप लगाया था कि राजमहल के रूप में तेजस्वी ने इस बंगले को विकसित करवाया था। नियम कानून का उल्लंघन कर इसमें सुख सुविधा के साधन लगवाए गए। शौचालय में भी एसी लगवाने की बात उन्होंने बताई थी।सजावट के कई सामान विदेशों से मंगाए जाने के आरोप लगे थे। ऐसे बंगलों

की साज सज्जा के लिए सरकार द्वारा तय खर्च की सीमा से अधिक खर्च किए जाने के आरोप भी लगे थे। उस समय भी तेजस्वी ने जांच कराने की चुनौती दी थी। जांच के बाद भवन निर्माण विभाग ने उन्हें क्लीन चिट दी थी। तब मीडिया ने भी क्लीन चिट मिलने की खबर उस प्रमुखता से नहीं चलाई थी, जैसी प्रमुखता से सामान गायब होने की खबर चली थी। ना ही भाजपा नेताओं ने गलत आरोप लगाने के लिए कोई खेद व्यक्त किया। अब फिर वैसे ही आरोप लगाए गए हैं। उनकी तुलना यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव से की गई जिनपर चुनाव हारने के बाद सरकारी बंगला खाली करते समय अन्य समानों के साथ नल की टोटी खोल कर ले जाने के आरोप लगे थे। संयोग से तेजस्वी और अखिलेश के बीच रिश्तेदारी भी है। ऐसे आरोप घटिया राजनीति का उदाहरण है। किसी की छवि हनन के लिए ऐसे अप्रमाणित आरोप लगाया जाना राजनीति का मान्य प्रचलन बन गया है। राहुल गांधी की पूरी राजनीति इसी पर टिकी है।दरअसल भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियुक्त होने के कारण तेजस्वी की छवि ऐसी बन गई है कि लोग उन पर लगे आरोपों पर भरोसा भी कर लेते हैं। किसी नेता पर जब भी ऐसे आरोप लगते हैं तो मीडिया बिना तथ्यों की पड़ताल के उसे ले उड़ता है। यह तरीका ठीक नहीं। इससे मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होते हैं। भवन निर्माण विभाग, जो सरकारी भवनों का केयर टेकर होता है, उसकी तरफ से अभी तक ऐसा कोई बयान नहीं आया है जिससे भाजपा के आरोपों की पुष्टि हो। इस विवाद में एक बात सामने आई है कि ऐसे बंगलों की रंगाई-पोताई के लिए सालाना 7 से 10 लाख रुपए सरकार खर्च करती है। इसके अलावा 5 साल में फर्नीचर और साज-सज्जा के लिए 9 लाख रुपए खर्च का प्रावधान है।5 साल के कार्यकाल में 50 लाख रुपए सिर्फ रंगाई-पोताई के लिए खर्च करना क्या भारत जैसे लोकतंत्र के लिए यह न्याय संगत है? यह लोकतंत्र के सामंतशाही में बदलने का परिचायक है। कोई नेता या पार्टी इसका विरोध नहीं करती। इसमें सभी की सहमति होती है। इस देश में करोड़ों करोड़ लोग ऐसे हैं जिनकी पूरे जीवन की कमाई 40 लाख नहीं होती और उनके सेवक होने का दावा करने वाले सोफा और पर्दे पर सिर्फ 5 साल में 40 लाख खर्च कर दें? बात-बात में संविधान की दुहाई देने वालों, क्या तुम्हें इस पर रंच मात्र भी लज्जा नहीं आती! माफ करना तुम्हारे मुंह से गांधी का नाम शोभा नहीं देता। बहरहाल बिहार के भवन निर्माण विभाग को उप मुख्यमंत्री के बंगले से समानों के गायब होने पर सच्चाई सामने लानी चाहिए, नहीं तो यह माना जाएगा कि तेजस्वी को बदनाम करने में उसकी भी भूमिका है। अगर सचमुच सामान गायब हुए हैं तो तेजस्वी पर मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

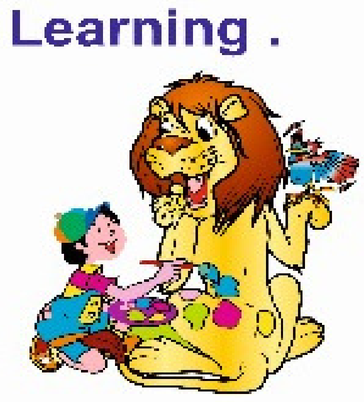

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भगवान रामचंद्र जी की महिमा का जितना गुणगान किया जाए उतना ही काम है- डॉ महेश शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा बृहस्पतिवार को सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में आयोजित आठवें दिन की रामलीला का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ मुख्य अतिथि डॉ महेश शर्मा क्षेत्रीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने रामलीला देखने आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान रामचंद्र ने सभी दुखों को सहते हुए जो साहस और संस्कृति का परिचय दिया वह एक सराहनीय कदम है ,इसलिए भगवान राम की महिमा का जितना गुणगान किया जाए ,शायद वह कम ही है। भगवान राम महापुरुष थे, और उनका चरित्र अनुकरणीय है, वह एक चरित्र मान महापुरुष थे । इस अवसर पर कैप्टान विकास गुप्ता राज्य मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में रामलीला का आयोजन कराना और रामलीला देखना भी अपने आप में एक अपनी पुरानी परंपरा को कायम रखने के बराबर है। दोनों मुख्य अतिथियों ने रामलीला आयोजन समिति का रामलीला कराए जाने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरीश बंसल मुख्य अभियंता नोएडा प्राधिकरण, संजीव कुमार बेदी सहायक महाप्रबंधक नोएडा प्राधिकरण भी मौजूद थे इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील चौधरी प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी, डॉक्टर आश्रय गुप्ता महानगर अध्यक्ष नोएडा समाजवादी पार्टी विपिन मल्हन अध्यक्ष (ै) मौजूद रहे। इस अवसर पर रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। वही स्वागत अध्यक्ष के रूप में अनिल खेड़ा राष्ट्रीय संयोजक हिंदू युवा वहिनी, विक्रम सिंह राठौड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी, एवं अध्यक्षता टी सी गोड और राजीव अग्रवाल द्वारा की गईइसके अलावा सम्मानित अतिथि विकास यादव, ओपी गुप्ता, इंदु शेखर त्रिपाठी, गगन कोहली, विपिन मल्हन, महेश बाबू गुप्ता, वी के सेठ , राकेश कोहली, सुधीर श्रीवास्तव, राजन खुराना, मयंक गुप्ता, संदीप विरमानी, ओम प्रकाश, शरद चंद जैन, प्रताप मेहता मौजूद रहे, इस अवसर पर रामलीला वाचक पंडित कृष्णा स्वामी ने सुग्रीव जी का राज्याभिषेक, प्रभु राम का सुग्रीव के साथ सीता की खोज के लिए मंत्रणा करना और हनुमान जी को लंका भेजने के अलावा अशोक वाटिका में सीता माता का हनुमान जी से मिलन अक्षय कुमार का वध होना, रावण के दरबार में हनुमान जी का प्रवेश और लंका दहन की लीला का मंचन किया गयाइस अवसर पर आयोजक समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल सीएमडी प्रिया गोल्ड, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , वाइस चेयरमैन पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल,सीए मनोज अग्रवाल,अनुज गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अभिषेक जैन, रोहिणी नगर, डॉक्टर मनोज अग्रवाल का रामलीला में विशेष सहयोग चल रहा है ।

धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की दूसरी पुण्यतिथि पर सपा नोएडा महानगर ने किया हवन, दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सपा महानगर संगठन द्वारा धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की दूसरी पुण्यतिथि पर अगाहपुर नोएडा सेक्टर 41 स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में हवन पूजा का आयोजन किया गया। उसके बाद सभी समाजवादी लोगों ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प मालाओं से श्रद्धांजलि दी, व साथ ही साथ नेताजी की पद चिन्हों पर चलने का संकल्प भी लिया। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि नेताजी हमेशा ही किसान ,नौजवान ,मजदूर शोषित ,पीड़ित को साथ लेकर चलते थे और हमेशा उनके साथ खड़े रहते थे। लोहिया और राज नारायण के निर्देशों का पालन करते हुए समाजवाद का पूरे देश और प्रदेश में अलख जगाने का काम किया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में सुनील चौधरी, जगत चौधरी,मोहम्मद तस्लीम,मनोज चौहान, मुकेश प्रधान, अनिल पाल,मोहम्मद नौशाद, टीटू यादव ,जयवीर बाबा ,अजब सिंह यादव ,बबलू चौहान, बबली शर्मा, दिव्यांशु यादव, मुकेश यादव ,जितेंद्र यादव,वीरपाल प्रधान ,वीरपाल अवाना, अमित बसोया, सोनू त्यागी ,चिंटू त्यागी,रूपचंद यादव ,अच्छे मियां , अमित यादव ,संजय त्यागी उसका ,लोकपाल यादव, सत्ते प्रधान,बाबूलाल बंसल, गौरव सिंघल ,रामवीर यादव, नकुल चौहान ,मुन्ना आलम, बब्बू यादव ,केपी यादव, बिल्लू सैफी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

यूसुफपुर चक शाहबेरी पर रेहड़ी-पटरी सीटू के कार्यकर्ताओं में किया भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा वेस्ट, पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन की बाजार कमेटी यूसुफपुर चक शाहबेरी ने आज सीटू नेता नरेंद्र पांडे, कमेटी के पदाधिकारी विकास गुप्ता, रुदल, आरपी सिंह, हरवीर, उपेंद्र गुप्ता, राजेश चौधरी, टीटू, पवित्र देवी, रोमा शर्मा, शिव प्रसाद, लंबू, चंदन, विश्वनाथ आदि के नेतृत्व में भंडारे का आयोजन किया गया। सीटू नेता नरेंद्र पांडे व गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि भंडारे में कई शो जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हमारी कमेटी समय-समय पर करती रहती है। जिसे आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा।

बॉलीवुड/टेली मसाला

जब प्रियंका चोपड़ा को हुई थी मानसिक स्वास्थ्य समस्या, बोलीं- 'मुझे नहीं पता इन भावनाओं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा आज बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकी हैं। आज जिस मुकाम पर प्रियंका हैं, वह उनकी मेहनत और लगन का ही नतीजा है। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब प्रियंका को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने ऐसी परिस्थितियों से निपटने के बारे में बात की थी और कुछ महत्वपूर्ण सलाह भी दी था प्रियंका के अलावा कई बॉलीवुड हस्तियों ने अपने मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों के बारे में खुलकर बात की है। आज, 10 अक्टूबर, 2024 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर, आइए उस पल को फिर से याद करें जब प्रियंका चोपड़ा ने खुलासा किया था कि वह अपनी भावनाओं से निपट नहीं सकती हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वालों को सहायता करने की सलाह भी दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मशहूर रणवीर शो पॉडकास्ट के एक पुराने एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा ने अपने जीवन में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का

सामना करने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा था, ठमेरे जीवन में एक समय ऐसा दौर आया था, जब मेरे पिता के निधन के बाद मुझे नहीं पता था कि अपनी भावनाओं से कैसे निपटना है।ठ पिता के गुजर जाने के बाद प्रियंका खुद पर काफी दबाव महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि वह अकेली थीं, जिसका उन पर बहुत बुरा असर हुआ था। प्रियंका ने खुलासा किया कि उन्होंने खुद को यह बताकर इससे उबरने की कोशिश की कि ऐसा महसूस करना ठीक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका ने कहा था, ठमुझे एहसास हुआ कि, खासकर जब आपके पास कुछ ऐसा होता है, जिसे आप मानसिक रूप से महसूस करते हैं कि आप इससे आगे नहीं बढ़ सकते हैं, तो आपको समर्थन ढूंढना होगा। आपको किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढना होगा जिस पर आप भरोसा कर सकें।ठ सबसे अहम बात ऐसी परिस्थिति में अकेले न रहें। काम की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा फिलहाल अपनी जासूसी वेब सीरीज सिटाडेल 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह इस अमेरिकी सीरीज में नादिया के रूप में अपनी भूमिका को फिर से नजर आएंगी। इसके अलावा प्रियंका अपनी मराठी प्रोडक्शन फिल्म 'पानी' की रिलीज के लिए भी तैयारी कर रही हैं, जो 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी।

'खाने में मिर्च कॉमेडी में गाली और डबल मीनिंग पर जावेद अख्तर का कटाक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जावेद अख्तर हाल ही में सपन वर्मा, बिस्वा कल्याण रथ, श्रीजा चतुर्वेदी द्वारा होस्ट किए गए 'चिल सेश' के तीसरे एपिसोड में दिखाई दिए, जहां उन्होंने कई चीजों के बारे में बात की। मशहूर कवि, हिन्दी फिल्मों के गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर इन दिनों अपने बेबाक बयान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। जावेद अख्तर हाल ही में सपन वर्मा, बिस्वा कल्याण रथ, श्रीजा चतुर्वेदी द्वारा होस्ट किए गए 'चिल सेश' के तीसरे एपिसोड में दिखाई दिए, जहां उन्होंने कई चीजों के बारे में बात की। इसी दौरान अख्तर से कॉमेडी में गालियों और डबल मीनिंग जोक्स के बारे में पूछा गया, जिस पर दिया गया उनका बयान लाइमलाइट में है।जावेद अख्तर से पूछा गया कि कॉमेडी में गालियों पर उनकी क्या राय है। इस पर अख्तर ने कहा, 'मैं आपको एक बात बताऊंगा। ओडिशा, बिहार और मैक्सिको में और दुनिया में कहीं भी जहां गरीबी है, लोग बहुत अधिक मिर्च खाते हैं क्योंकि खाना फीका होता है। इसलिए, कुछ स्वाद जोड़ने के लिए, वे मिर्च खाते हैं।जावेद अख्तर ने आगे कहा, 'अपशब्द बोलना भाषा की मिर्च है। यदि आप अच्छा बोल सकते हैं और काफी मजाकिया हैं, तो आपको इस मिर्च की जरूरत नहीं है। यदि बातचीत नीरस है, तो आप इसे कुछ ऊर्जा देने के लिए कुछ अपशब्दों का प्रयोग करेंगे।'श्रीजा चतुर्वेदी ने जावेद अख्तर से पूछा कि आपका डबल मीनिंग गानों पर क्या कहना है। क्या ऐसी चीजें कुछ लोगों को राहत देती हैं। इस पर जावेद अख्तर ने जवाब दिया, 'जिन लोगों को अश्लील गाने सुनकर राहत मिलती है, कैसे लोग होंगे वो। उन्हें मनोचिकित्सक की जरूरत है, गानों की नहीं।

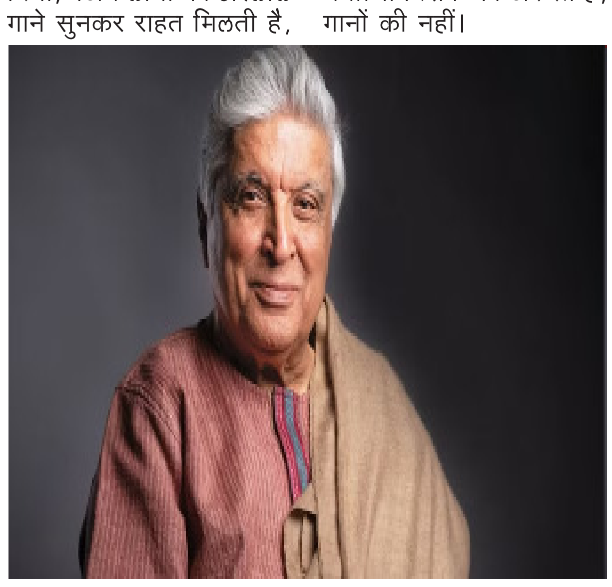

जेलर के किले को नहीं भेद सकी वेट्टैयन, जानें देवरा-स्त्री 2 ने की कितनी कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में 10 अक्तूबर को फिल्म वेट्टैयन ने दस्तक दी है। इस फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन, राणा दुग्गुबाती और फहद फाजिल जैसे सितारे भी हैं। वहीं, तेलुगु फिल्म देवरा का भी टिकट खिड़की पर टिके रहने का प्रयास जारी है। इसके अलावा स्त्री 2 को देखने के लिए अब भी लोग थिएटर का रुख कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म की रफ्तार अब काफी धीमी हो चुकी है। आइए जानते हैं कि गुरुवार को किस फिल्म ने कैसा प्रदर्शन किया है। फिल्म वेट्टैयन का इंतजार लोगों को लंबे समय से था। फिल्म हम के बाद अमिताभ बच्चन और रजनीकांत एक साथ बड़े पर्दे पर इस फिल्म में नजर आए हैं। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहले दिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। गुरुवार को इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने तमिल में 26.15 करोड़, तेलुगु में तीन करोड़ 20 लाख, हिंदी में 60 लाख कन्नड भाषा में पांच लाख रुपये का कलेक्शन किया है। पहली दिन की कमाई में यह रजनीकांत की पिछली फिल्म से आगे नहीं निकल सकी। जेलर ने बॉक्स ऑफिस पर 48.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट वन से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह फिल्म भी अपने बजट के हिसाब से अच्छी कमाई नहीं कर रही है। फिल्म ने पहले हफ्ते में 215.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म की रफ्तार और भी सुस्त नजर आई। 14वें दिन इस फिल्म ने तीन करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 260.90 करोड़ रुपये हो गई है। स्त्री 2 अब भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है। आठवें हफ्ते में भी यह फिल्म ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म लोगों का दिल जीतने में कामयाब रही है। 57वें दिन इस फिल्म ने 45 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कमाई 596.50 करोड़ रुपये हो गई है।

दीपशिखा नागपाल को ज्यादातर दीपशिखा के नाम से जाना जाता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वह एक भारतीय अभिनेत्री और फिल्म निर्देशक हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों और हिंदी टेलीविजन प्रोडक्शन में काम करती हैं। नब्बे के दशक में कई फिल्मों में अभिनय करती नजर आईं दीपशिखा भी बिग बॉस शो

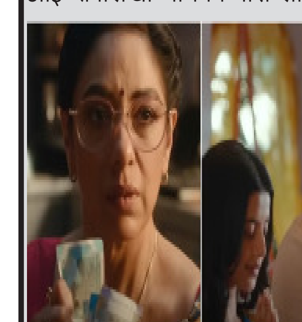

का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने बरसात, बेताज बादशाह, करण अर्जुन, कोयला आदि कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कानून, शक्तिमान, सुराग आदि कई टीवी शो मे भी काम किया है। बिग बॉस के आठवें सीजन में वह बतौर प्रतियोगी नजर आई थीं। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्त्री 2' की रिलीज को आज यानी 10 अक्तूबर को 57 दिन पूरे हो गए हैं। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत यह फिल्म रिलीज के आठवें गुरुवार को भी दर्शक बटोरती नजर आई है। हालांकि, अब इसकी कमाई में बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। इससे साफ हो रहा है कि 'स्त्री 2' अब सिनेमाघरों से विदा लेने की तैयारी कर रही है। 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी यह फिल्म 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की जी-तोड़ कोशिश कर रही है, लेकिन ऐसा करने में इसकी सांस फूल गई है। आइए 'स्त्री 2' के 57वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़ों पर गौर फरमा लेते हैं- 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर इतिहास रच चुकी फिल्म 'स्त्री 2' 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के लिए संघर्षरत है। अगर यह ऐसा करने में सफल रही तो यह हिंदी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी। हालांकि, इसने पहले ही दो रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। यह इस साल की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी है। साथ ही इसने हिंदी की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की फिल्म 'स्त्री 2' ने शानदार ओपनिंग के साथ पहले हफ्ते में 291.65 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे हफ्ते इसका कलेक्शन 141.4 करोड़ रुपये रहा। 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने तीसरे हफ्ते में 70.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे हफ्ते में 'स्त्री 2' ने 36.1 करोड़ रुपये, पांचवें हफ्ते में 24.65 करोड़ रुपये, छठे हफ्ते में 18.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सातवें सप्ताह में इसने कुल 9.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने अपनी गति बरकरार रखते हुए 51वें दिन 50 लाख रुपये, 52वें दिन 90 लाख रुपये, 53वें दिन एक करोड़ 25 लाख रुपये, जोड़े। वहीं, 54वें दिन 44 लाख रुपये और 55वें दिन 50 लाख रुपये का कारोबार किया। 'स्त्री 2' की 56वें दिन की कमाई 50 लाख रुपये रही, जिससे इसका आठवें बुधवार तक का कुल कलेक्शन 596.05 करोड़ रुपये रहा। वहीं, फिल्म ने 57वें दिन यानी आठवें गुरुवार को 36 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म की अब तक की कुल कमाई 596.41 करोड़ रुपये हो गई है।

नब्बे के दशक में कई सफल फिल्में कर चुकीं ये अभिनेत्रियां, बिग बॉस में भी आईं नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस भारतीय टीवी जगत के सबसे चर्चित शो में से एक है। इस शो में अब तक कई बड़े-बड़े सितारे हिस्सा ले चुके हैं। कई मौकों पर कलाकारों के अभिनय करियर को इस शो की बदौलत एक नया मुकाम मिला है। फिल्मी सितारों के अलावा खेल, राजनीति, सोशल मीडिया आदि कई अन्य क्षेत्रों से मशहूर हस्तियों ने शो में शिरकत की है। बिग बॉस के ओटीटी और टीवी वाले संस्करण में नब्बे के दशक की कई ऐसी अभिनेत्रियों ने भी हिस्सा लिया है, जो अपने करियर में कई सफल फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। शिल्पा शिरोडकर नब्बे के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं, जो हाल में ही शुरू हुए बिग बॉस के 18वें सीजन में नजर आ रही हैं। इस शो में वह अपनी बात प्रमुखता से रख भी रही हैं। शिल्पा अपने समय में कई सफल फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें साल 1990 में आई फिल्म 'कृष्ण कन्हैया' से काफी लोकप्रियता मिली। इसके बाद वह 'आंखें', 'खुदा गवाह', 'गोपी

किशन', 'मृत्युदंड' जैसी कई फिल्मों में भी नजर आईं।बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आईं पूजा भट्ट अपने समय की मशहूर अभिनेत्री रही हैं। मौजूदा दौर में उनकी छोटी बहन आलिया भट्ट भी एक नामी अभिनेत्री हैं। मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट की बेटी पूजा ने नब्बे के दशक में कई शानदार फिल्मों में काम किया था। नब्बे के दशक से लेकर 2000 के दशक की शुरुआत तक वह कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने दिल है कि मानता नहीं, सड़क, जूनून, नाराज, अंगरक्षक आदि कई फिल्मों में अभिनय किया है। पूजा बेदी एक अभिनेत्री होने के साथ-साथ टेलीविजन शो होस्ट भी हैं। उन्होंने साल 1991 से 1995 तक कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। इस दौरान उन्होंने विष कन्या, आमिर खान के साथ जो जीता वही सिकंदर, लुटेरे आदि कई फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह बिग बॉस समेत कई टीवी शो में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने बिग बॉस के पांचवे सीजन में बतौर प्रतियोगी हिस्सा लिया था। दीपशिखा नागपाल को ज्यादातर दीपशिखा के नाम से जाना जाता है। वह एक भारतीय अभिनेत्री और फिल्म निर्देशक हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों और हिंदी टेलीविजन प्रोडक्शन में काम करती हैं। नब्बे के दशक में कई फिल्मों में अभिनय करती नजर आईं दीपशिखा भी बिग बॉस शो का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने बरसात, बेताज बादशाह, करण अर्जुन, कोयला आदि कई फिल्मों में काम किया है।

जब मीडिया और बिग बी ने एकदूसरे पर लगाया था बैन, 15 साल चला सिलसिला, इमरजेंसी से है कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन आज अपना 82वां जन्मदिन मना रहे हैं। दीवार, शोले और अमर अकबर एंथनी जैसी फिल्मों के स्टार, बिग बी, भारतीयों की के दिल और दिमाग में रहते हैं। भारतीय सिनेमा के सबसे महान और सफल अभिनेताओं में से एक, जिन्होंने अपने पांच दशक लंबे करियर में 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उनकी अदाकारी और आवाज ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है, उन्हें ठसदी के महानायकठ के खिताब से नवाजा गया है। मीडिया में अभिनेता खूब लाइमलाइट में रहते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि एक ऐसा भी समय था, जब शहंशाह को मीडिया ने बैन कर दिया था। आइए अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर जानते हैं ये किस्सा अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े नामों में से एक हैं। लोगों के लिए यह कल्पना करना कठिन है कि उन्हें मीडिया कवरेज मिलने से प्रतिबंधित किया गया हो। लेकिन सुपरस्टार को अपने स्टारडम के

पीक पर इस स्थिति का सामना करना पड़ा। साल 1975 में आपातकाल के दौरान, फिल्म मीडिया के एक ग्रुप ने उस समय लागू प्रेस सेंसरशिप में अमिताभ बच्चन की कथित भूमिका के लिए उनका बहिष्कार किया था। एक पुराने वीडियो में, अमिताभ बताते हैं कि कैसे बदले में, उन्होंने कई सालों तक मीडिया को अपनी फिल्मों के सेट पर आने से प्रतिबंधित कर दिया क्योंकि अभिनेता का मानना था कि उन्हें स्क्रीन पर जो कुछ भी कहना था, उसके अलावा कुछ भी कहने की जरूरत नहीं थी अमिताभ ने लहरें को दिए एक थ्रोबैक वीडियो में बताया कि कैसे उन पर बैन लगाया गया। अभिनेता ने कहा था, ठ1975 में, जब देश में आपातकाल घोषित किया गया था, तो फिल्म पत्रकारों ने गलत तरीके से सोचा कि आपातकाल के साथ जो प्रेस सेंसरशिप आई थी, वह मेरी वजह से थी।ठ उन्होंने कहा, 'यह आदमी इंदिरा गांधी का करीबी है और वह प्रेस सेंसरशिप में शामिल है और इसलिए हमें अमिताभ बच्चन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है।' उन्होंने मेरे बारे में लिखना और मेरी तस्वीरें छापना बंद कर दिया। अगर मैं किसी फिल्म में होता और वे स्टार कास्ट के बारे में लिखते, लेकिन मेरा नाम नहीं लिखते। अभिनेता ने आगे बताया कि इसके जवाब में उन्होंने मीडिया को अपने फिल्म सेट पर आने से रोक दिया और कई सालों तक कोई भी इंटरव्यू देने से मना कर दिया। उन्होंने याद करते हुए कहा, मुझे लगा कि अगर प्रेस को मुझे प्रतिबंधित करने की आजादी है तो मुझे भी उन्हें प्रतिबंधित करने की आजादी होनी चाहिए। यही वजह है कि जब भी मैं शूटिंग कर रहा होता या रिपोर्टर मुझसे मिलना चाहते, तो मैं मना कर देता।

एक युग का अंत हो गया', अमिताभ बच्चन ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि, लिखा यह भावुक नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन ने रतन टाटा के निधन पर एक भावुक नोट लिखा । अभिनेता ने टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन के साथ अपने जुड़ाव को याद किया । दिग्गज उद्योगपति टाइकून ठरतन टाटाठ का बुधवार को 86 साल की उम्र में निधन हो गया । कई राजनेताओं और मशहूर हस्तियों ने टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष को श्रद्धांजलि के रूप में शोक संदेश भेजे। अब महानायक अमिताभ बच्चन ने भी रतन टाटा के निधन पर दुख जताया है । अमिताभ बच्चन ने रतन टाटा के निधन पर एक भावुक नोट लिखा। अभिनेता ने टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। बिग बी ने अपने इंस्टाग्राम पर रतन टाटा को अलविदा कहते हुए लिखा, ठएक युग अभी गुजरा है , उनकी विनम्रता, उनका महान संकल्प, उनकी दृष्टि और देश के लिए अच्छा करने का उनका संकल्प, मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान आपके साथ मिलकर काम करने का अवसर था और आपसे मिलना मेरा सौभाग्य।ठ बिग बी ने आगे लिखा एक बहुत दुखद दिन।

छोटे पर्दे पर बेपनाह प्यार दर्शाने वाली इन जोड़ियों की आपस में नहीं बनती, कई बार हो चुका है तकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी में नजर आने वाली जोड़ियों दर्शकों की पसंदीदा जोड़ियां बन जाती हैं। धारावाहिकों में इन जोड़ियों में दिखने वाला प्यार दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। कई लोग तो इन्हें देखकर इनके जैसा हमसफर मिलने की भी कामना करते हैं। कई दर्शक को टीवी की अपनी चहेती जोड़ियों के लिए ही सीरीयल्स देखते हैं। दर्शकों को कई बार ये जानने के लिए भी उत्सुक देखा गया है कि टीवी पर बेपनाह प्यार दिखाने वाली ये जोड़ियां पर्दे के पीछे कैसी हैं। तो आपको बता दें कि पर्दे पर प्यार की मिसाल कायम करने वाली कुछ जोड़ियां तो हकीकत में एक-दूसरे का चेहरा देखना भी पसंद नहीं करती हैं। सेट पर इनके बीच कई बार अनबन भी हो चुकी हैं। तो लिए जानते हैं टीवी के इन सितारों के बारे में.. अभिनेत्री रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना को टीवी सीरियल 'अनुपमा' में खूब पसंद किया जा रहा है। दोनों की

जोड़ी लोगों की पसंदीदा जोड़ी बन गई है। पर्दे पर एक-दूसरे का सम्मान करने वाले ये सितारे सेट पर एक दूसरे से बिल्कल भी बात नहीं करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना के बीच सेट पर झगड़ा भी हो चुका है। जानी-मानी अभिनेत्री हिना खान और करण मेहरा की जोड़ी में इस लिस्ट में शामिल है। हिना और करण की जोड़ी सीरीयल ये रिश्ता क्या कहलाता है' है में दिखाई दी थी। सीरिय में एक-दूसरे से इतनी मोहब्बत करने वाले ये अक्षरा और नैतिक सेट पर एक दूसरे से बात भी नहीं करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सेट पर झगड़ा भी कर चुके थे। अभिनेत्री दीपिका सिंह और अनस रशीद की जोड़ी सीरियल 'दीया और बाती हम' में नजर आई थी। शो में संध्या और सूरज बने दोनों सितारों को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। मगर इन दोनों के बीच भी सेट पर झगड़ा हुआ था। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका ने अनस पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों की बात बंद हो गई थी। दिव्यांका त्रिपाठी और करण पटेल की जोड़ी टीवी की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। दर्शक अब भी दोनों को साथ में देखना चाहते हैं। दिव्यांका और करण की जोड़ी एकता कपूर के शो 'ये है मोहब्बतें' में देखने को मिली थी। दोनों की सेट पर सेट पर एक दूसरे से बिल्कुल बात नहीं करते थे। नीति टेलर और पार्थ समथान 'कैसी ये यारियां' में नजर आए थे। इनकी जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था। दोनों के बीच में बेहद प्यार देखने को मिला था। मगर इनके बीच भी सेट पर लड़ाई हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके चलते पार्थ ने बाद में शो भी छोड़ दिया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।